लखनऊ

रविवार, 19 जुलाई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 321

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। — स्वामी विवेकानंद

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi

NIGHT 28° Low

संक्षेप

आमिर खान को धमकी मिलने की खबर, पुलिस ने शिकायत मिलने से किया इनकार

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान को फेसबुक पोस्ट के जरिए धमकी मिलने की खबर है। हालांकि, मुंबई पुलिस के मुताबिक, न तो एक्टर और न ही उनकी टीम ने अब तक कोई शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि उन्हें मीडिया रिपोर्ट से आमिर खान को धमकी मिलने के बारे में पता चला और वे आगे की कार्रवाई करने से पहले वायरल पोस्ट की सच्चाई की जांच कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, आमिर को फेसबुक पर एक पोस्ट के जरिए धमकी मिली, जो कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा था। पोस्ट में लिखा था, मैं आरजू बिश्नोई और टायसन बिश्नोई (लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप) हूं। जो लोग हमारे देश में हमारी संस्कृति के खिलाफ काम कर रहे हैं और आमिर खान जैसे लोग जो 'लव जिहाद' के नाम पर इसे बढ़ावा दे रहे हैं, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। पोस्ट में आगे लिखा, उन्हें (आमिर खान) बहुत जल्द जवाब दिया जाएगा। यह हमारे सनातन धर्म और हमारे देश के खिलाफ है, जो लोग स्टारडम के नाम पर ऐसी चीजों को बढ़ावा दे रहे हैं। हम उन्हें बख्शेंगे नहीं। मुंबई पुलिस ने कहा है कि अब तक न तो आमिर खान और न ही उनकी टीम ने कोई शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस को इस कथित धमकी के बारे में मीडिया रिपोर्टों से पता चला, जिनमें दावा किया गया था कि यह धमकी फेसबुक के जरिए दी गई थी। वे अभी इस जानकारी की पुष्टि कर रहे हैं। आमिर खान की तरफ से औपचारिक शिकायत मिलने के बाद आगे की जांच शुरू की जाएगी। हाल ही में आमिर खान ने लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल में कहा था कि 2009 की सुपरहिट फिल्म 3 इडियट्स में उनका किरदार 'फुंसुख वांगडू', शिक्षाविद और क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक पर आधारित नहीं है।

अयोध्या राम मंदिर दान विवाद पर 20 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, एसआईटी पेश करेगी अपनी स्टेटस रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट 20 जुलाई को अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी की निष्पक्ष और समय-सीमा के भीतर जांच की मांग करने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। कोर्ट की कॉज़ लिस्ट के अनुसार, इस मामले से जुड़ी चार अलग-अलग याचिकाओं पर चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच सुनवाई करेगी। 13 जुलाई को कोर्ट ने याचिकाओं पर सुनवाई करने पर सहमति जताई और मामले की जांच के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) से स्टेटस रिपोर्ट मांगी। बेंच ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा। 13 जुलाई के अपने आदेश में कोर्ट ने कहा चूंकि कुछ रिट याचिकाओं में यह कहा गया है कि कुछ FIR पहले ही दर्ज हो चुकी हैं और मामले की जांच के लिए एक एसआईटी बनाई गई है, इसलिए हम उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई एसआईटी को निर्देश देते हैं कि वह इस कोर्ट के सामने एक स्टेटस रिपोर्ट पेश करे। याचिकाकर्ताओं में से एक, नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने इस मामले की CBI जांच की मांग की है। उन्होंने 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' के फाइनेंस की कंप्ट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल (CAG) से ऑडिट कराने की भी मांग की है।

'न कर्फ्यू है, न दंगा है... अब यूपी में सब चंगा है', बुलंदशहर में बोले सीएम योगी आदित्यनाथ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बुलंदशहर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2017 से पहले के प्रदेश में व्याप्त अव्यवस्थाओं को गिनाते हुए आज प्रदेश में विकास व समृद्धि होने का हवाला दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में हर जिले में दंगा होता था, हर थाने में माफिया था, हर जिले में सिंडिकेट था, जो युवाओं के रोजगार को प्रभावित करता था। 2007 से 2017 तक प्रदेश की शुगर मिलों को बेचा गया। अब ऐसा नहीं है। आज प्रदेश में ना कर्फ्यू है ना दंगा है, अब सब चंगा है।

शनिवार को नुमाइश ग्राउंड में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुलंदशहर व सिकंदराबाद विधानसभा क्षेत्रों की 574 करोड़ रुपये की 57 परियोजनाओं का बटन दबाकर शिलान्यास व लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने जिले में गंगा एक्सप्रेस वे व जेवर एयरपोर्ट को जोड़ने वाले लिंक एक्सप्रेस के लिए अधिग्रहित किसानों की जमीनों का मुआवजा बढ़ाने की घोषणा की। साथ ही नगर में रिंग रोड को स्वीकृति करने की घोषणा की।

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को सुबह साढ़े दस बजे शिकारपुर के रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर पहुंचे। यहां पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम का भव्य मंदिर एवं काशी में कॉरिडोर निर्माण बुलंदशहर के लोगों की वोट का ही परिणाम है।

उन्होंने रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर में छात्रों के साथ-साथ छात्राओं के भी दाखिला किए जाने की बात कहते हुए कहा कि छात्राओं के रहने के लिए छात्रावास प्रदेश सरकार द्वारा कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के सौ वर्ष पूरे होने पर देश को विकासशील एवं समृद्ध बनाने के लिए शताब्दी समारोह मनाए जाने के लिए के लिए हम सभी को संकल्प लेना होगा। अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। हमारे पूर्वज ऋषि मुनि तीर्थ देश के लिए गौरव की अनुभूति प्रदान करते हैं।

सामाजिक समरसता प्रदान करने के लिए छुआछूत, जाति, क्षेत्र और भाषा से ऊपर उठकर कार्य करना होगा ताकि देश और प्रदेश आगे बढ़ सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आरएसएस दुनिया का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन है। रज्जू भैया इस संगठन के चौथे सर संघचालक रहे। रज्जू भैया की माताजी के नाम पर रज्जू भैया सैनिक विद्या मंदिर में छात्रों के लिए छात्रावास बनाया जाएगा।

भारत ने स्पेस सेक्टर में रचा इतिहास! अपने ऑर्बिट में पहुंचा पहला प्राइवेट रॉकेट 'विक्रम-1'

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने एक बार फिर स्पेस सेक्टर में इतिहास रच दिया है। भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट 'विक्रम-1' का सफलतापूर्वक लॉन्च हो गया है। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से 'विक्रम-1' की लॉन्चिंग हुई है। ये भारत में बना पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट है, जिसे हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने तैयार किया है। इस आर्टिकल में जानें 'विक्रम-1' की खूबियां।

भारत में बने पहले प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट ने भरी उड़ान

बता दें कि यह भारत में बने पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट की पहली उड़ान है, जिसे मिशन आगमन नाम दिया गया है। यह भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

विक्रम-1' में क्या-क्या है खास?

विक्रम-1 रॉकेट कई तकनीकी उपकरणों को धरती से 450 किलोमीटर ऊपर एक खास कक्षा में स्थापित करेगा।

रॉकेट विक्रम 350 किलोग्राम तक का वजन ले जाने में सक्षम है।

विक्रम-1 पूरी तरह से हल्के और मजबूत कार्बन-कंपोजिट स्ट्रक्चर से बना पहला ऑर्बिटल रॉकेट है। कार्बन फाइबर स्टील की तुलना में पांच गुना हल्का होता है।

इसमें कंपनी के अपने बनाए हुए इंजन लगे हैं, जिनमें 3 डी प्रिंटेड इंजन भी शामिल हैं।

इसमें माइक्रो-आर्ट पीस छोटा सा रॉकेट भी है। इसका आर्ट पीस 18 कैरेट सोने से बना है।

पीएम मोदी ने स्काईरूट एयरोस्पेस को दी बधाई

विक्रम-1 की सफल लॉन्चिंग के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्काईरूट एयरोस्पेस को फोन पर बधाई दी। ये भी जान लें कि भारत के पहले प्राइवेट तौर पर डेवलप ऑर्बिटल रॉकेट, 'विक्रम-1' ने अपना आखिरी बर्न पूरा कर लिया है और 450 किलोमीटर की कक्षा में पेलोड पहुंचाने के बाद सफलतापूर्वक कक्षा में प्रवेश कर लिया है। इस उपलब्धि के साथ ही, भारत विश्व का तीसरा ऐसा देश बन गया है जिसके पास प्राइवेट ऑर्बिटल लॉन्च की क्षमता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लॉन्चिंग से पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया और इसे 'ऐतिहासिक नई शुरुआत' बताया है।

खड़गे का मोदी सरकार पर तीखा वार, जंतर-मंतर की घटना लोकतंत्र पर काला धब्बा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 18 जुलाई को जंतर-मंतर पर क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की और सरकार पर असहमति जताने वालों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। X पर एक पोस्ट में खड़गे ने कहा कि सरकार ने किसी को नहीं बख्शा है - चाहे वे किसान हों, छात्र हों, दलित हों, आदिवासी हों या जनहित के मुद्दों पर आवाज़ उठाने वाले प्रदर्शनकारी हों। उन्होंने कहा कि चाहे प्रो. जीडी अग्रवाल हों जिन्होंने माँ गंगा को बचाने के लिए 111 दिनों तक आमरण अनशन किया, या हरियाणा के ओलंपिक पहलवान हों, चाहे हमारे 750 किसान हों, दलित और आदिवासी हों, या पेपर लीक की भेंट चढ़े 25 बच्चे और उनके परिवार हों - इस ज़ालिम सरकार ने किसी को नहीं बख्शा है।

उत्तर प्रदेश में बड़ा दांव खेलेंगे चिराग पासवान, किया सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान

आर्यावर्त क्रांति

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश में साल 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने अपनी कमर कस ली है। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित इंडिया एक्सपो एंड सेंटर मार्ट में आयोजित 'मिराकी' कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने यह बड़ा चुनावी एलान किया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है और इसके लिए राज्य इकाई जल्द ही केंद्रीय संसदीय बोर्ड को एक औपचारिक प्रस्ताव भेजेगी।

गठबंधन के सवाल पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि पार्टी गठबंधन में चुनाव लड़ेगी या नहीं, अथवा गठबंधन का क्या स्वरूप होगा, इसका फैसला आने वाले महीनों में किया जाएगा। उन्होंने साफ किया कि फिलहाल गठबंधन को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। चिराग पासवान ने भरोसा जताया कि बिहार की तरह लोजपा (रामविलास) उत्तर प्रदेश में भी शानदार प्रदर्शन करेगी।

देशभर में जनाधार बढ़ाने का लक्ष्य

पार्टी के राष्ट्रीय विस्तार की रूपरेखा साझा करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि लोजपा सिर्फ उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पंजाब और उत्तराखंड के आगामी चुनावों में भी भागीदारी करेगी। इसके लिए हाल ही में उत्तर प्रदेश में दो बड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जबकि उत्तराखंड में कार्यकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हो चुकी है। पंजाब में भी सांगठनिक कार्यक्रम निर्धारित हैं।

'असत्य और हिंसा मोदी सरकार के मूल सिद्धांत': वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाने पर भड़के राहुल गांधी, और क्या कहा?

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि मोदी सरकार के मूल सिद्धांत 'असत्य और हिंसा' हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से उस समय हटाया जाना गलत है, जब वह अहिंसक भूख हड़ताल पर बैठे थे।

उन्होंने कहा कि पेपर लीक, शिक्षा की बढ़ती लागत और छात्रों की आत्महत्या जैसे मुद्दे भारत के भविष्य से जुड़े गंभीर विषय हैं। राहुल गांधी ने कहा, 'कितना भी बल प्रयोग कर लिया जाए, भारत के छात्रों और उन लोगों को, जो उनसे प्रेम करते हैं और उन पर विश्वास रखते हैं, इन मुद्दों को उठाने से नहीं रोका जा सकता।'

सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाने पर विपक्ष का हंगामा, सरकार पर लगाए तानाशाही के आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस शनिवार सुबह जंतर-मंतर पर पिछले 20 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती करा दिया है। सोनम को जबरन अस्पताल में भर्ती कराने पर विपक्ष ने सरकार को घेरते हुए इसे 'गुंडागर्दी' और 'तानाशाही' करार दिया है। सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराए जाने का विरोध करते हुए आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने एक्स पर लिखा, ये क्या गुंडागर्दी चल रही है? प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी ये सत्ता का अहंकार लंबे समय तक नहीं चलता। जिस युवा पर लठ्ठ चला रहे हो, यही आपका तख्त उखाड़ेगा। एक शख्स सोनम वांगचुक जो पिछले 21 दिनों से आमरण अनशन पर है, उनकी मांगें सुनने के बजाय उसको जबरन गिरफ्तार कर हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया गया। समाजवादी पार्टी से सांसद डिंपल यादव ने एक्स पर पोस्ट किया, सोनम वांगचुक को जबरन हटाना सिर्फ एक कार्रवाई नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान को कुचलना है। भाजपा सरकार को अब शांतिपूर्ण विरोध भी बर्दाश्त नहीं । यह तानाशाही है।

डिंपल यादव ने दूसरे पोस्ट में कहा, भाजपा वाले देश के लिए सफेद चादर का कफन लेकर आए हैं। जब शांतिपूर्ण आवाजों को दबाया जाता है तो संविधान और लोकतंत्र भी आहत होते हैं। सोनम वांगचुक जैसे लोगों की आवाज दबाना देश की आत्मा को दबाना है।

समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता अनुराग भदौरिया ने सोनम वांगचुक जंतर-मंतर से हटाए जाने का विरोध करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, ये कौन सा तरीका है शांतिपूर्ण प्रदर्शन खत्म करने का। सफेद कपड़ा लाकर 20 दिनों की हड़ताल के बाद सोनम वांगचुक को अस्पताल उठा ले गई पुलिस।

भीम आर्मी के प्रमुख और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने एक्स पर लिखा, लोकतंत्र एक बार फिर शर्मसार! दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 21 दिनों से शांतिपूर्ण अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को सादा कपड़ों में पहुंचे पुलिसकर्मियों द्वारा जबरन अस्पताल ले जाना तथा उनके साथियों के साथ मारपीट कर उन्हें हिरासत में लेना अत्यंत निंदनीय और लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा प्रहार है। सांसद ने आगे कहा, इससे पहले वन रैंक वन पेंशन की मांग को लेकर महीनों तक धरने पर बैठे पूर्व सैनिकों के साथ भी यही हुआ।

'ऑपरेशन सिंदूर' से दुनिया ने देखा भारत का दम, राजनाथ सिंह बोले- अब डिफेंस प्रोडक्शन में रचेंगे नया इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भारत की 'विश्व-स्तरीय' रक्षा तैयारियों को साबित किया है। उन्होंने इसकी सफलता का श्रेय केंद्र सरकार द्वारा सेना के आधुनिकीकरण और देश में ही रक्षा उपकरणों के उत्पादन को लगातार बढ़ावा देने को दिया। नई दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमता और वीरता का प्रमाण बताया और कहा कि उन्होंने आतंकवादियों और उनके समर्थकों को मुंहतोड़ जवाब दिया। सिंह ने कहा ऑपरेशन सिंदूर भारत की आधुनिक और बेहतरीन रक्षा तैयारियों का सबूत है। ये तैयारियाँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की पिछले 12 सालों की लगातार कोशिशों से और बेहतर हुई हैं, जिसमें 'राष्ट्र पहले और सेना पहले' की भावना को प्राथमिकता दी गई है। सिंह के अनुसार, इस ऑपरेशन के दौरान आकाश तीर एयर डिफेंस सिस्टम, आकाश मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस मिसाइल जैसे स्वदेशी सिस्टम के साथ-साथ अन्य आधुनिक सैन्य उपकरणों को भी प्रभावी ढंग से तैनात किया गया था। रक्षा मंत्री ने कहा इस ऑपरेशन के दौरान आकाश तीर, आकाश मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस जैसे एडवांस्ड सिस्टम के साथ-साथ कई अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का भी प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया गया। यह पिछले 12 वर्षों में तैयार की गई नींव की वजह से संभव हुआ है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की कोशिशों का ज़िक्र करते हुए सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों की ओर से जारी स्वदेशीकरण की पाँच सकारात्मक सूचियों में अब 509 रक्षा आइटम शामिल हैं, जबकि रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की ओर से जारी पाँच अतिरिक्त सूचियों में 5,012 आइटम शामिल हैं। मंत्री ने कहा जैसे-जैसे हम एक आत्मनिर्भर और सशक्त रक्षा क्षेत्र बनाने की दिशा में दृढ़ संकल्प और व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रहे हैं, इस विज़न को और गति देने के लिए जल्द ही एक और 'पॉज़िटिव इंडिजनाइज़ेशन लिस्ट' (स्वदेशीकरण की सकारात्मक सूची) जारी की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि 2014 की तुलना में 2025-26 में भारत का सालाना रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया है।

जंतर-मंतर पर अभिजीत दिपके पर फेंकी गई नीली स्याही, बोले- 'नीला रंग तो मेरा है, जय भीम'

नई दिल्ली, एजेंसी। जंतर-मंतर पर शनिवार को आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष अभिजीत दिपके पर एक व्यक्ति ने कथित तौर पर नीली स्याही फेंक दी। घटना उस समय हुई जब वह प्रदर्शनकारियों को संबोधित कर रहे थे। घटना का वीडियो उन्होंने स्वयं सोशल मीडिया मंच एक्स (X) पर साझा किया।

घटना के बाद अभिजीत दिपके ने एक्स पर वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, 'नीला रंग तो मेरा है। जय भीम।' उनका यह बयान सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन चल रहा था। इसी दौरान भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन स्थल से हटाकर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया।

अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का ऐलान

सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाने के बाद अभिजीत दिपके ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठने का ऐलान किया। फिलहाल इस पूरे घटनाक्रम को लेकर प्रदर्शन स्थल पर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।

अब तक क्या-क्या हुआ

सोनम वांगचुक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे थे। शनिवार तड़के उनकी तबीयत बिगड़ने पर दिल्ली पुलिस उन्हें सफदरजंग अस्पताल ले गई। पुलिस का कहना है कि स्वास्थ्य कारणों से यह कदम उठाया गया, जबकि समर्थकों ने इसे जबरन हटाने की कार्रवाई बताया।

वांगचुक के अस्पताल पहुंचने के बाद अभिजीत दीपके ने आंदोलन की कमान संभालते हुए अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की। दीपके ने आरोप लगाया कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के साथ सख्ती की और उनके साथ भी अभद्रता की। हालांकि दिल्ली पुलिस ने बल प्रयोग या लाठीचार्ज से इनकार किया है।

इसी बीच शनिवार को प्रदर्शन के दौरान दिपके पर नीली स्याही फेंकी गई।

पीडीपी ने ठुकराया एनसी का न्योता, महबूबा बोलीं- स्टेटहुड नहीं, आर्टिकल 370 बहाली मुख्य मुद्दा

जम्मू। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के लिए ऐसे विरोध प्रदर्शन में भाग लेना उचित नहीं होगा जिसका एकमात्र उद्देश्य राज्य की मांग हो। इसी के मद्देनजर उन्होंने जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस का निमंत्रण अस्वीकार कर दिया। मुफ्ती ने कहा कि एक ईमानदार और सार्थक राजनीतिक प्रक्रिया तभी शुरू हो सकती है जब मूलभूत मुद्दों का समाधान किया जाए। अनुच्छेद 370 को मुख्य मुद्दा बताते हुए, मुफ्ती ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला को लिखे पत्र में सर्वदलीय बैठक बुलाने का आह्वान किया, जिसमें पहले कदम के रूप में राजनीतिक कैदियों की रिहाई और जमात-ए-इस्लामी सहित सामाजिक-राजनीतिक संगठनों पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग की जाए।

मुफ़्ती ने अब्दुल्ला को लिखे अपने पत्र में कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों की सम्मानजनक आकांक्षाओं को केवल राज्य का दर्जा (स्टेटहुड) बहाल करने की छोटी, संकीर्ण और नुकसानदेह मांग तक सीमित कर देना घोर अन्याय, गलत काम और सरासर विश्वासघात होगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ़ राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए एकजुट होकर विरोध करना, जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के गैर-कानूनी कदम को सही ठहराने और उसे जायज़ बनाने जैसा होगा। इसे हमारे सामूहिक इतिहास के सबसे काले दिन—5 अगस्त—के सीधे समर्थन के तौर पर भी देखा जा सकता है। मुफ़्ती ने स्पेशल स्टेटस पर ध्यान दिए बिना राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को दिखावटी कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह आधी-अधूरी मांग न सिर्फ़ अनुच्छेद 370 को हाशिए पर धकेलने के BJP के बुरे नैरेटिव को दोहराती और उसे सही ठहराती है।

मेरठ छात्रा हत्याकांड : पीड़ित परिजनों से मिले सीएम, कहा– दोषी बचेंगे नहीं ; आर्थिक सहायता और आवास देने की घोषणा

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेरठ की छात्रा हत्याकांड के पीड़ित परिजनों से गाजियाबाद स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में मुलाकात कर घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाते हुए भरोसा दिलाया कि इस जघन्य अपराध के प्रत्येक दोषी के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने प्रकरण की विवेचना में किसी भी स्तर पर लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को अभियोजन की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करते हुए दोषियों को कठोरतम दंड दिलाने के लिए सभी आवश्यक विधिक कदम उठाने के निर्देश भी दिए।

सीएम ने आर्थिक सहायता व आवास देने की घोषणा की

मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को तत्काल राहत प्रदान करते हुए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने मृतका के पिता तथा परिवार के एक अन्य पात्र सदस्य को मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान समाज कल्याण मंत्री एवं मेरठ के जिला प्रभारी मंत्री असीम अरुण सहित वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी भी उपस्थित रहे।

7 साल पहले मां, फिर पिता की मौत... अब अनाथ मासूम को जिंदा चबा गया मगरमच्छ

जिस चादर में थी लाश, उससे लिपटकर रोईं बहनें

आर्यावर्त संवाददाता

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के टिकुरी गांव से एक ऐसी दुखद और खौफनाक खबर सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। यहां घाघरा नदी में अचानक आए एक खूंखार मगरमच्छ ने 12 वर्षीय मासूम सुनील को अपना शिकार बना लिया। सबसे ज्यादा दिल दुखाने वाली बात ये है कि बच्चे के चाचा ने उसे बचाने के लिए मगरमच्छ से 8 मिनट तक जिंदगी और मौत की जंग लड़ी, लेकिन वे अपने भतीजे को बचा नहीं सके। इस पूरी घटना और उसके बाद परिवार के विलाप का भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

शुक्रवार दोपहर को जब मासूम

सुनील का क्षत-विक्षत शव पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचा, तो उसके चाचा विजय राज सिंह का रो-रोकर बुरा हाल था। उन्होंने भर्राई आवाज में उस खौफनाक मंजर की कहानी बयां की। गुरुवार देर शाम सुनील अपने चाचा विजय राज सिंह और उदय राज सिंह के साथ खेत में धान की रोपाई करने के बाद घर लौट रहा था। रास्ते में हाथ-पैर धोने के लिए सुनील जैसे ही घाघरा नदी के पानी के पास पहुंचा, तभी पानी के भीतर घात लगाए बैठे मगरमच्छ ने चुपके से आकर उसे दबोच लिया। सुनील की चीख सुनते ही उसके चाचा विजय राज ने अपनी जान की परवाह किए बिना नदी में छलांग लगा दी। उन्होंने करीब 7 से 8 मिनट तक मगरमच्छ के जबड़े से सुनील को खींचने की पूरी कोशिश की, लेकिन जानवर की ताकत के आगे वे बेबस हो गए। मगरमच्छ बच्चे को गहरे पानी में ले गया और वहां 3 से 4 बार हवा में उछालकर पटका। विजय राज ने रोते हुए बताया कि मगरमच्छ ने उनके देखते ही देखते बच्चे के आधे शरीर को अपना निवाला बना डाला।

घटना की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीण अरविंद श्रीवास्तव के मुताबिक, मगरमच्छ बीच-बीच में बच्चे को मुंह में दबाकर पानी के ऊपर आता और फिर नीचे चला जाता। ग्रामीणों ने हिम्मत जुटाकर बड़े-बड़े बांस के डंडों की मदद से नदी में तलाश शुरू की। इस बीच स्थानीय पुलिस, वन विभाग और एनडीआरएफ (NDRF) की टीमें भी मौके पर पहुंच गईं। करीब 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद, घटनास्थल से लगभग 300 मीटर की दूरी पर सुनील का क्षत-विक्षत शव पानी में उतराता हुआ मिला। ग्रामीणों ने जाल डालकर शव को बाहर निकाला, जिसे शुक्रवार सुबह पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। शाम को गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

इस हादसे ने एक हंसते-खेलते अनाथ परिवार को पूरी तरह उजाड़ दिया है। सुनील के पिता बुधराज की 5 साल पहले और मां की 7 साल पहले बीमारी के कारण मौत हो चुकी थी। चार भाई-बहनों में सुनील दूसरे नंबर पर था और अपने चाचा के साथ रहकर परिवार का सहारा बन रहा था। जैसे ही लाश घर लाई गई, बहनें फूट-फूट कर रोने लगीं। वो उस चादर को बार-बार सहला रही थीं, जिसमें सुनील की लाश को लपेटकर लाया गया था। मासूम बहनों का अपने भाई की आखिरी निशानी (चादर) से लिपटकर रोने का यह दृश्य देखकर वहां मौजूद हर एक व्यक्ति के आंसू छलक पड़े। अब घर में सुमन और सीमा के अलावा छोटा भाई संजय (10) ही बचे हैं।

सपा सांसद दरोगा प्रसाद पर गरीबों की जमीन कब्जाने का आरोप, ग्रामीण बोले– आत्मदाह कर लेंगे, सौंपा पत्र

आर्यावर्त संवाददाता

आजमगढ़। आजमगढ़ के लालगंज तहसील के मोहनपुर पटवास गांव के ग्रामीणों ने मंडलायुक्त से शिकायत की है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के सांसद दरोगा प्रसाद सरोज और उनके परिजनों पर सार्वजनिक तालाब व गरीब ग्रामीणों की जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप लगाया है। पीड़िता गीता सरोज ने न्याय न मिलने पर मुख्यमंत्री आवास के सामने आत्महत्या की चेतावनी दी।

शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया गांव की आराजी संख्या 137 (7.798 हेक्टेयर) तालाब खाते में दर्ज है, जिस पर फार्म हाउस बना लिया गया है। इस पर खेती और मछली पालन भी किया जा रहा है। ग्रामीणों का दावा है कि पहले तालाब का उपयोग पशुओं और सार्वजनिक हित के लिए होता था, जो अब बंद है। गीता सरोज ने आरोप लगाया कि सांसद ने लगभग 50 बीघे के तालाब

और आसपास के कई गरीब ग्रामीणों की जमीनें हड़प ली हैं।

फार्म हाउस के चारो तरफ बिजली के तार, 5-6 बोरिंग और अवैध मछली पालन व पेड़ों की कटाई हो रही है। सांसद के बेटे मनोज सरोज, प्रमोद सरोज और पोता अभिषेक सरोज पर शराब पीकर हुड़दंग मचाने और धमकी देने का आरोप है। गीता सरोज की 1 बीघा जमीन पर भी कब्जा कर पोखरा पाट दिया गया। उन्होंने एसडीएम, तहसीलदार सहित स्थानीय अधिकारियों से शिकायत की, पर सांसद के प्रभाव से कार्रवाई नहीं हुई।

सांसद दरोगा प्रसाद सरोज ने आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि वे किसी भी जांच के लिए तैयार हैं। उन्होंने शारदा विश्वकर्मा से 3.5 से 4 बीघा जमीन का बैनामा कराया है। पैमाइश में प्रशासनिक अधिकारियों ने उनकी जमीन को सही पाया है। सांसद ने कहा कि उन्होंने लाला जी, तिवारी जी और अन्य लोगों से भी नियमानुसार जमीनें खरीदी हैं।

उन्होंने किसी की जमीन पर कब्जा नहीं किया है। सांसद ने अपने बच्चों पर लगे मारपीट के आरोपों को झूठा बताया। उन्होंने डीएम, कमिश्नर और तहसीलदार को मौके पर जांच की खुली चुनौती दी। सांसद ने कहा कि 1 इंच अवैध कब्जा पाए जाने पर लाखों रुपये जुर्माना भरेंगे।

बीवी और बेटी दूर, जूली से अफेयर, इसलिए प्रॉपर्टी डीलर ने प्रेमिका को मारा, नर्स की मदद से लाश ठिकाने लगाई

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। उन्नाव में महिला जूली की हत्या का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। महिला की हत्या उसके प्रेमी प्रॉपर्टी डीलर ने की थी। दोस्त और परिचित महिला स्टाफ नर्स की मदद से उसने शव ठिकाने लगाया था। 10 दिन पहले की हुई हत्या में पुलिस ने लखनऊ निवासी तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

अविवाहित मृतका भी लखनऊ की रहने वाली थी। पुलिस के मुताबिक, मुख्य हत्यारोपी और उसके साथी को हत्या के अलग-अलग मुकदमों में आजीवन कारावास की सजा हो चुकी है। इस समय दोनों हाईकोर्ट से जमानत पर हैं।

पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने बताया कि छह जुलाई को दोपहर करीब 2:30 बजे बिहार-मौरावां मार्ग पर केदारखेड़ा नहर पुलिया के पास युवती का शव मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर में गंभीर चोटों से मौत की पुष्टि हुई थी। अज्ञात के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर बिहार पुलिस के साथ ही स्वाट और सर्विलांस टीम को भी लगाया गया। जिस मार्ग पर शव मिला था उसके सीसीटीवी चेक किए तो एक कार रात में आते और फिर जाते हुए नजर आई।

स्वाट टीम फुटेज के सहारे लखनऊ के राजाजी पुरम पहुंची। एक सीसीटीवी फुटेज में पांच जुलाई की रात 12:30 बजे एक कार महिला नर्स को बैठाते और फिर सुबह करीब 4:30 बजे छोड़ते नजर आई। इसी के सहारे स्वाट टीम तीन दिन तक अलग-अलग स्थानों से सुरागकशी करने के बाद नर्स से पूछताछ की तो महिला की हत्या की परतें खुलती गईं।

उमेशचंद्र से पूछताछ में सामने आई हकीकत

घटना में प्रयोग कार लखनऊ के थाना मोहनलालगंज के गांव रहीमनगर भदेशुआ निवासी उमेशचंद्र यादव की है। पुलिस ने उमेशचंद्र से पूछताछ की तो हकीकत सामने आ गई। उमेश ने बताया कि लखनऊ के थाना कृष्णानगर के सरदारीखेड़ा निवासी राधाकांत दुबे उर्फ कुक्कू ने पड़ोस की जूली (40) पुत्री किशन की पांच जुलाई को हत्या कर दी थी।

शव ठिकाने लगाने के लिए कार लेकर बुलाया था। रास्ते में किसी को शक न हो इसलिए केजीएमयू में संविदा पर स्टाफ नर्स राधाकांत की प्रेमिका राजाजीपुरम निवासी सुमन वर्मा को किसी बीमार को देखने के बहाने बुलाया। मुख्य आरोपी राधाकांत दुबे और सुमन वर्मा मूल रूप से अयोध्या के थाना बीकापुर के गांव दूबेपुर और सुनौरा गांवपुर के रहने वाले हैं। काफी समय से दोनों में नजदीकी थी। सुमन का खर्च भी राधाकांत ही उठाता था। बताया कि तीनों हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। कार भी बरामद की गई है।

ऐसे बढ़ी नजदीकियां, ऊब गया तो कर दी हत्या

सीओ मधुपनाथ मिश्रा ने बताया कि मुख्य हत्यारोपी राधाकांत दुबे ने पूछताछ में बताया कि वह प्रॉपर्टी डीलर का काम करता है। कमीशन से अच्छी कमाई हो जाती है। बताया कि सरदारी खेड़ा में फरवरी 2025 में पुराना घर खरीदकर उसे तुड़वाकर नया बनाया था। पत्नी सीतापुर के महमूदाबाद के कस्तूरबा स्कूल में शिक्षिका है। बेटी भी वहीं क्लर्क है, दोनों वहीं रहती हैं।

साथ रहने का दबाव बनाया तो मार डाला

घर बनवाने के दौरान जूली का आना-जाना हो गया। वह अविवाहित थी और दोनों में नजदीकियां हो गई। पता चला कि जूली की साल 2022 में गोदभराई हुई थी लेकिन शादी से पहले ही रिश्ता टूट गया था। बाद में वह घरों में काम करने लगी। वह चेहरा छिपाकर दोनों के आपत्तिजनक फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर ब्लैकमेल करने लगी थी।

इतना ही नहीं घर में हिस्सा मांगने के अलावा साथ रहने का दबाव बनाने लगी। परेशान होकर पांच मई की दोपहर उसे दोस्त के खाली पुराने घर में बुलाकर कोल्डड्रिंक में नींद की दवा मिलाकर पिलाई। बेहोश होने पर ईंट से सिर पर वार कर हत्या कर दी।

किसी को शक न हो इसलिए रात में साथी उमेशचंद्र यादव को कार सहित बुलाया और सुमन वर्मा को साथ लेकर निकले। महिला को इसलिए बिठाया कि पुलिस चेकिंग पर यह बता सके कि परिवार के साथ महिला का उपचार कराने जा रहे हैं।

भाई का आरोप पुलिस ने नहीं की सुनवाई

जूली के बड़े भाई सतीश गौतम ने बताया कि लखनऊ पुलिस ने सुनवाई नहीं की। पिता श्रीकृष्ण के साथ हम लोग पांच जुलाई को ही कृष्णानगर थाने गए थे लेकिन उसे दो दिन बिठाए रखा गया। सात जुलाई को गुमशुदगी दर्ज की गई। सतीश के मुताबिक बहन जूली राधाकांत दुबे पर इस कदर फिदा थी कि विरोध पर वह खुद पुलिस बुला लेती थी। कई बार घर में विवाद हुआ। इस कारण उससे बोलना कम कर दिया।

राधाकांत और उमेश को हो चुकी है उम्रकैद

थानाध्यक्ष राहुल सिंह के मुताबिक राधाकांत ने साल 2006 में सिपाही की हत्या की थी। उस पर लखनऊ के कृष्णानगर थाने में हत्या, गैंगस्टर, आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं में 18 मामले दर्ज हैं। सिपाही की हत्या में आजीवन कारावास की सजा भी हुई है।

साथी उमेशचंद्र पर लखनऊ अलग-अलग थानों के साथ शहर के पुरवा कोतवाली में अलग-अलग सात मामले दर्ज हैं। उमेश को भी आजीवन कारावास की सजा हुई है। दोनों की दोस्ती भी जेल में हुई थी। दोनों जमानत पर थे। राधाकांत दुबे ठेकेदारी और उमेशचंद्र गाड़ियां चलवाता था।

विद्यालय परिसर में लगे खेल ओपन जिम से संदिग्ध अवस्था में लटका मिला अधेड़ का शव

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। बल्दीराय थाना क्षेत्र की वलीपुर पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम सभा दौनौ स्थित प्राथमिक विद्यालय पूरे जमादार में शनिवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब विद्यालय परिसर में लगे ओपन जिम (खेल उपकरण) से एक अधेड़ का शव संदिग्ध अवस्था में लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई।

मृतक की पहचान महेश कुमार तिवारी (59 वर्ष) पुत्र हौसिला प्रसाद तिवारी, निवासी पूरे भोला तिवारी के रूप में हुई। ग्रामीणो ने घटना की जानकारी तत्काल डायल 112 पुलिस को दी। सूचना पर थाना बल्दीराय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। थाना बल्दीराय के उपनिरीक्षक रामविलास यादव ने डायल 112 पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक

विधिक कार्रवाई की। वहीं फॉरेंसिक टीम ने भी मौके का बारीकी से निरीक्षण किया और मृतक के कुछ कपड़ों तथा एक मफलर को साक्ष्य के रूप में कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच की जा रही है।

इस घटना से पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय परिसर में इस तरह शव मिलने से लोग स्तब्ध हैं। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाएगा।

सूरापुर टीपी नगरा पावर हाउस में बिजली संकट से ग्रामीण परेशान

सुलतानपुर। सुरापुर टीपी नगरा से मिलने वाली बिजली व्यवस्था इन दिनों पूरी तरह चरमरा गई है। क्षेत्र के करौंदी कलां सहित आसपास के गांवों में लगातार बिजली कटौती और घंटों आपूर्ति बाधित रहने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के बीच बिजली गायब रहने से लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि दिन और रात में कई-कई घंटे बिजली नहीं रहती, जिससे पंखे, कूलर और पानी की मोटर बंद पड़ी रहती हैं। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक दिक्कत हो रही है। उमस भरी गर्मी में लोग रातभर जागने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण किसानों और व्यापारियों को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

मुरादाबादी बिरयानी के शौकीन सावधान! इस मशहूर दुकान पर एफएसडीए का छापा, 3 घंटे तक खंगाला कोना-कोना, लिए सैंपल

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। यदि आप भी लजीज मुरादाबादी बिरयानी के दीवाने हैं, तो यह खबर आपको सतर्क करने वाली है। उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) के आयुक्त के कड़े निर्देशों के बाद मुरादाबाद में मिलावटी और अमानक खाद्य पदार्थों के खिलाफ एक बड़ा अभियान छेड़ा गया है। इसी कड़ी में सहायक आयुक्त (खाद्य)-II राजवंश प्रकाश श्रीवास्तव के नेतृत्व में विभाग की टीम ने शहर की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित राशिद बिरयानी के आउटलेट पर औचक धावा बोला। साढ़े तीन घंटे से अधिक समय तक चले इस बड़े निरीक्षण के दौरान टीम ने बिरयानी के सैंपल एकत्र कर जांच के लिए सरकारी लैब भेज दिए हैं।

सहायक आयुक्त राजवंश प्रकाश श्रीवास्तव और खाद्य सुरक्षा अधिकारी

कमलेश कुमार की संयुक्त टीम ने दुकान के हर हिस्से की बारीकी से जांच की। टीम ने ऊपर से लेकर नीचे तक पूरे प्रतिष्ठान का मुआयना किया और वहां से 'कटरा बिरयानी' का एक संदिग्ध नमूना लेकर उसे जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला (राजकीय लैब) भेज दिया है। लंबी कार्रवाई के बाद मीडिया से बात करते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग के मुख्य अधिकारी ने कहा, "हमने पूरा निरीक्षण ऊपर से नीचे तक किया है और एक सैंपल लिया गया है। प्रयोगशाला से रिपोर्ट आने के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उस हिसाब से आगे की सख्त विधिक कार्रवाई की जाएगी।"

FSDA की इस बड़ी कार्रवाई का दायरा सिर्फ बिरयानी की दुकान तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि जिले के कई अन्य इलाकों में भी मिलावटखोरों पर शिकंजा कसा गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार सिंह ने ठाकुरद्वारा क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। वहां एक डेयरी पर औचक निरीक्षण के दौरान पनीर का एक संदिग्ध नमूना मिला, जिसे तुरंत जब्त कर जांच के लिए भेजा गया है।

पंडित नगला बाईपास और करुला जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में मोबाइल फूड सेफ्टी वैन (MFSW) को उतारा गया। इस वैन के जरिए मौके पर ही 20 खाद्य नमूनों का त्वरित टेस्ट किया गया।

हल्दी का सैंपल फेल, 27 दुकानदारों को नोटिस

इस ऑन-स्पॉट टेस्ट के दौरान हल्दी का एक सैंपल पूरी तरह अमानक (फेल) पाया गया। इसके साथ ही टीम ने क्षेत्र के 27 खाद्य कारोबारियों को सख्त हिदायत दी है कि वे साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें और भोजन में किसी भी तरह के हानिकारक सिंथेटिक रंगों का प्रयोग बिल्कुल न करें।

आम जनता की सेहत से खिलवाड़ पर सख्त संदेश

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि मुरादाबाद में खाद्य मानकों का शत-प्रतिशत पालन कराया जाएगा। त्योहारों का सीजन हो या सामान्य दिन, आम जनता को शुद्ध और सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। सेहत से खिलवाड़ करने वाले किसी भी छोटे या बड़े कारोबारी को बख्शा नहीं जाएगा और यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

स्कूल जा रहे छात्र पर चाकू से हमला, बैग फटने से बची जान, परिजनों में दहशत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले के धनपतगंज थाना क्षेत्र के भरमौली (बिनगी) गांव में शनिवार सुबह स्कूल जा रहे एक छात्र पर कथित रूप से चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में छात्र का स्कूल बैग फट गया जबकि उसकी पीठ पर भी चोट आई। घटना के बाद पीड़ति परिवार ने पुलिस से शिकायत कर आरोपित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पीड़ति परिवार के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 9 बजे 13 वर्षीय साहिल प्राथमिक विद्यालय ब्रह्मौली पढ़ने जा रहा था। आरोप है कि रास्ते में बहेरी गांव निवासी अशरफ पुत्र मुन्नू ने उसे रोक लिया और चाकू से हमला कर दिया। चाकू का वार सबसे पहले छात्र के स्कूल बैग पर लगा, जिससे बैग फट गया। इस दौरान साहिल की पीठ पर भी चोट आई। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद आरोपित ने छात्र को धमकी दी कि यदि उसने किसी को इस बारे में बताया तो उसे जान से मार देगा। इस धमकी के बाद परिवार भयभीत है। उनका कहना है कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में कोई गंभीर घटना हो सकती है। घटना की सूचना मिलने पर पीड़ति परिवार ने धनपतगंज थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में धनपतगंज थाना प्रभारी अंजू मिश्रा ने बताया कि मामले की तहरीर प्राप्त हो गई है और पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

बुलंदशहर को 574 करोड़ की 57 विकास परियोजनाओं की सौगात

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बुलंदशहर जनपद को 574 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 57 विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार विरासत और विकास के समन्वय के साथ उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में कानून-व्यवस्था, आधारभूत संरचना, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है और उत्तर प्रदेश आज देश के पिछड़े राज्यों की श्रेणी से निकलकर अग्रणी राज्यों में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है।मुख्यमंत्री बुलंदशहर एवं सिकंदराबाद विधानसभा क्षेत्रों की विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम

को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को लैपटॉप, आयुष्मान कार्ड, छात्रवृत्ति, आवास की चाबी, टूलकिट, थर्मल प्रिंटर, सब्सिडी के चेक तथा अन्य सहायता सामग्री वितरित की। कार्यक्रम से पहले उन्होंने विभिन्न विभागों की विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया, पौधरोपण किया तथा महिलाओं की गोदभराई और बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया।मुख्यमंत्री ने कहा कि मजबूत सड़कें और बेहतर कनेक्टिविटी किसी भी प्रदेश के आर्थिक विकास की सबसे बड़ी आधारशिला होती हैं। उत्तर प्रदेश में विश्वस्तरीय एक्सप्रेस-वे का नेटवर्क तैयार किया गया है, जिससे निवेश, उद्योग और रोजगार को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि जितना बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर होगा, उतनी ही तेजी से अर्थव्यवस्था आगे बढ़ेगी और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।उन्होंने कहा कि महाभारत कालीन ऐतिहासिक नगरी बुलंदशहर आज तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ रही है। वर्ष 2017 से पहले जहां भय और असुरक्षा का माहौल था, वहीं आज बुलंदशहर विकास और निवेश का नया केंद्र बन रहा है। गंगा एक्सप्रेस-वे के निर्माण से जनपद की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और प्रयागराज तक की यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा।मुख्यमंत्री ने बताया कि जनप्रतिनिधियों की मांग पर बुलंदशहर को नोएडा इंटरनेशनल (जेवर) एयरपोर्ट से जोड़ने के लिए लिंक एक्सप्रेस-वे को मंजूरी दे दी गई है। किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए भूमि अधिग्रहण का बढ़ा हुआ मुआवजा भी दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र में औद्योगिक निवेश बढ़ेगा और युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लगभग 14 हजार एकड़ में विकसित हो रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास का नया इंजन बनेगा। यहां एयरक्राफ्ट रिपेयर एंड मेंटेनेंस, कार्गो हब तथा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, जिससे प्रदेश की वैश्विक पहचान और मजबूत होगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि बुलंदशहर के लिए बाईपास और रिंग रोड परियोजना को भी स्वीकृति मिल चुकी है। जिले में बाबू कल्याण सिंह मेडिकल कॉलेज की स्थापना स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि खुर्जा की पॉटरी, क्षेत्र की कृषि और गन्ना उत्पादन बुलंदशहर को नई आर्थिक पहचान दे रहे हैं।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज मोबाइल निर्माण के क्षेत्र में देश में पहले स्थान पर है।

प्लॉट दिखाने के बहाने बुलाकर बंधक बनाया, मारपीट कर हाथ तोड़ा और यूपीआई से ठगे रुपये

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के मड़ियांव थाना क्षेत्र में प्लॉट दिखाने के बहाने एक व्यक्ति को बुलाकर बंधक बनाने, मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने, मोबाइल छीनने और यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन धनराशि स्थानांतरित कर ठगी करने वाले गिरोह के दो और वांछित आरोपियों को पुलिस ने गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले इस मामले में दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया जा चुका है। पुलिस अब गिरोह के आपराधिक नेटवर्क और आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है।पुलिस के अनुसार यह मामला मूल रूप से आशियाना थाने में न्यायालय के आदेश पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता आनंद कुमार वर्मा ने आरोप लगाया था कि उन्हें प्लॉट दिखाने के बहाने बुलाया गया, जहां आरोपियों ने उन्हें बंधक बना लिया। इसके बाद उनके साथ मारपीट की गई, जिससे उनका हाथ टूट गया। आरोपियों ने उनका मोबाइल फोन छीन लिया और धमकी देते हुए यूपीआई के माध्यम से उनके खाते से धनराशि स्थानांतरित कर ली।जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि घटना का स्थान मड़ियांव थाना क्षेत्र में आता है। इसके बाद उच्चाधिकारियों के निर्देश पर मुकदमा मड़ियांव थाने स्थानांतरित कर दिया गया, जहां विस्तृत विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, इलेक्ट्रॉनिक डाटा और अन्य प्रमाणों के आधार पर मामले में हिमांशु मिश्रा, गौरव मिश्रा, शाहरुख तथा राज पंचाल उर्फ अर्जुन उर्फ विजय पंचाल की संलिप्तता पाई।विवेचना के दौरान पुलिस ने पहले गौरव मिश्रा को गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर गंभीर धाराओं में आरोप पत्र न्यायालय भेजा गया। इसके बाद हिमांशु मिश्रा को भी गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध भी अपहरण, लूट, धोखाधड़ी, बंधक बनाने, आपराधिक षड्यंत्र तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धाराओं में आरोप पत्र दाखिल किया गया।शेष दो वांछित आरोपियों की तलाश लगातार की जा रही थी। तकनीकी निगरानी, मुखबिर तंत्र और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को उनकी लोकेशन गाजियाबाद में मिली। इसके बाद मड़ियांव थाना पुलिस ने अभियान चलाकर अर्जुन उर्फ विजय पंचाल और शाहरुख को गाजियाबाद के सिहानी गेट थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अर्जुन ऑटो ई-रिक्शा चालक है, जबकि शाहरुख पिकअप वाहन चालक के रूप में कार्य करता है। दोनों को विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए गिरफ्तार किया गया और उनके विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

मृणाल द्विवेदी को आईआईटी मद्रास से पीएचडी की डिग्री

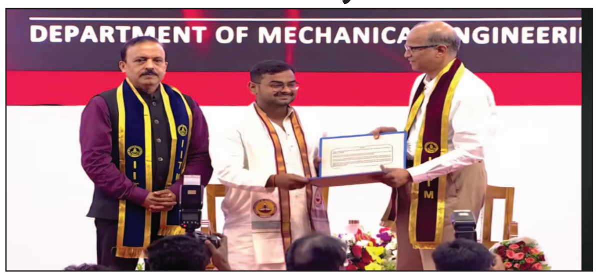

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के मूल निवासी मृणाल द्विवेदी ने देश के प्रतिष्ठित और सम्मानित शिक्षण संस्थान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास के मैकेनिकल डिपार्टमेंट से पीएचडी की डिग्री हासिल की है। संस्थान के सभागार में शुक्रवार देर शाम आयोजित भव्य दीक्षांत समारोह में उन्हें यह डिग्री प्रदान की गयी। समारोह में शैक्षणिक और शोध क्षेत्र की विभिन्न उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र के पूर्व निदेशक डॉ. एस. उन्नीकृष्णन नायर ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर प्रगति करने की शुभकामनाएं दी।

लैब ग्रोन डायमंड पर मृणाल द्विवेदी के शोध को देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी सराहा गया है। इसके अलावा राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में भी उनके पेपर प्रमुखता से प्रकाशित हुए हैं। इस मौके पर उनके पिता वरिष्ठ पत्रकार, लेखक व स्तम्भकार शशिधर द्विवेदी, माता आरती द्विवेदी, पत्नी चित्रा और बहन शाम्भवी भी सभागार में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि यह परिवार के लिए गर्व का पल है,इस सुखद पल का गवाह बनने का सौभाग्य परिवार को भी मिला, यह प्रसन्नता की बात है।

स्कूलों में साइबर सुरक्षा का पाठ : लखनऊ पुलिस और 'प्रयास' संस्था ने 400 विद्यार्थियों को किया जागरूक

लखनऊ। डिजिटल दुनिया में बढ़ते साइबर अपराधों से बच्चों और किशोरों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से लखनऊ पुलिस की साइबर सेल और गैर-सरकारी संस्था 'प्रयास' ने संयुक्त रूप से जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान राजधानी के सेंट मैरी इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में कक्षा 9 से 12 तक के लगभग 400 विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।कार्यक्रम का आयोजन 'प्रयास' संस्था की समन्वयक अनुषांगी खेमका के सहयोग से किया गया। लखनऊ पुलिस की साइबर सेल के मुख्य आरक्षी गौरव शुक्ला ने विद्यार्थियों को वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों और उनसे बचने के उपायों के बारे में सरल भाषा में जानकारी दी।

जनेश्वर मिश्रा पार्क से लक्ष्मी मार्केट तक चला वृहद स्वच्छता अभियान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से नगर निगम लखनऊ और लखनऊ स्वच्छता अभियान के संयुक्त तत्वावधान में 'सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ' अभियान के तहत शनिवार को जनेश्वर मिश्रा पार्क के गेट संख्या-7 से लक्ष्मी मार्केट, वार्ड-12, जोन-4 तक विशेष स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थलों की व्यापक सफाई के साथ पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।अभियान का उद्देश्य क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करना, नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना तथा जनसहभागिता के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भी अभियान में भाग लेकर अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लिया।अभियान के तहत सड़क एवं फुटपाथों की व्यापक सफाई कर यांत्रिक मशीनों से धुलाई कराई गई। मार्ग के दोनों ओर उगी जंगली घास और खरपतवारों को वैज्ञानिक पद्धति से हटाया गया। इसके साथ ही उनकी दोबारा वृद्धि रोकने के लिए निर्धारित मानकों के अनुरूप खरपतवारनाशी (वीडिसाइड) का छिड़काव भी किया गया। इस कार्रवाई से क्षेत्र की स्वच्छता के साथ-साथ सौंदर्यीकरण में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला।नगर निगम अधिकारियों के अनुसार अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई के साथ नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण, कूड़ा इधर-उधर न फेंकने, गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

• संक्षेप •

जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक को अनशन से हटाने पर कांग्रेस का केंद्र सरकार पर हमला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने जंतर-मंतर पर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को अनशन स्थल से हटाकर अस्पताल में भर्ती कराने की कार्रवाई की कड़ी आलोचना करते हुए इसे लोकतंत्र और संविधान की भावना के खिलाफ बताया है।जारी बयान में अजय राय ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा नीट परीक्षा सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के कथित पेपर लीक के मुद्दे पर 'छात्रों की गूंज' अभियान के माध्यम से देशभर के छात्रों और युवाओं की आवाज उठाई जा रही है। इसी क्रम में छात्रों और युवाओं की मांगों के समर्थन में सोनम वांगचुक जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे थे। उनका आरोप है कि केंद्र सरकार ने पुलिस बल का प्रयोग कर उन्हें जबरन अनशन स्थल से हटाया और सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करा दिया, जो पूरी तरह तानाशाहीपूर्ण कदम है।अजय राय ने कहा कि कांग्रेस सरकारों के दौरान कभी भी लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वालों के साथ इस प्रकार का व्यवहार नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को अपनी बात रखने और शांतिपूर्ण विरोध करने का अधिकार देता है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी का संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास नहीं है। उनका आरोप है कि भाजपा शासित राज्यों में लोकतांत्रिक अधिकारों का लगातार हनन किया जा रहा है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सोनम वांगचुक छात्रों और युवाओं के हित में अनशन कर रहे थे। सरकार को उनकी मांगों पर विचार करना चाहिए था तथा कथित नीट पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच कराकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल पद से हटाना चाहिए था।

गोमती नदी पुल से युवक ने लगाई छलांग, घंटों चले सर्च ऑपरेशन के बाद एसडीआरएफ ने बरामद किया शव

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर क्षेत्र में शनिवार तड़के एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां गोमती नदी पुल से छलांग लगाने वाले 26 वर्षीय युवक का शव कई घंटे तक चले सघन खोज अभियान के बाद बरामद कर लिया गया। सूचना मिलते ही थाना गोमतीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ की मदद से रातभर नदी में तलाश अभियान चलाया गया। शनिवार सुबह करीब 11 बजे युवक का शव नदी से बाहर निकाला गया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।पुलिस के अनुसार शनिवार तड़के करीब तीन बजे सूचना मिली कि समतामूलक चौराहे से 1090 चौराहे की ओर जाने वाले गोमती नदी पुल से एक युवक ने नदी में छलांग लगा दी है। सूचना पर थाना गोमतीनगर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आसपास मौजूद लोगों से घटना की जानकारी जुटाई।जांच के दौरान युवक की पहचान आकाश यादव (26 वर्ष) निवासी फेस-3, राधापुरम कॉलोनी, मटियारी, थाना चिनहट के रूप में हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आकाश यादव अपनी बहन के साथ विभूतिखंड स्थित एक क्लब से पार्टी कर वापस लौट रहा था। दोनों कुछ देर के लिए गोमती नदी पुल पर रुके थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर आकाश ने अचानक पुल से गोमती नदी में छलांग लगा दी। घटना इतनी अचानक हुई कि उसकी बहन और आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही वह नदी में समा गया।घटना की गंभीरता को देखते हुए गोमतीनगर पुलिस ने तत्काल राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) को सूचना दी। एसडीआरएफ की टीम ने पुलिस के साथ मिलकर रात से ही गोमती नदी में सघन सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

ऑपरेशन कन्विक्शन की प्रभावी पैरवी लाई रंग: 13 वर्ष पुराने दुष्कर्म के प्रयास के मामले में आरोपी को 5 वर्ष की सजा

लखनऊ। राजधानी पुलिस के ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत थाना मलिहाबाद पुलिस और अभियोजन शाखा की प्रभावी पैरवी के चलते 13 वर्ष पुराने दुष्कर्म के प्रयास के मामले में न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए पांच वर्ष के कठोर कारावास और 10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। पुलिस अधिकारियों ने इसे ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत प्रभावी विवेचना और मजबूत न्यायिक पैरवी का महत्वपूर्ण परिणाम बताया है।पुलिस के अनुसार यह मामला वर्ष 2013 में थाना मलिहाबाद में दर्ज हुआ था। मुकदमा संख्या 30/2013 भारतीय दंड संहिता की धारा 376/511 के तहत पंजीकृत किया गया था। मामले की विवेचना पूरी होने के बाद न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया और अभियोजन पक्ष ने लगातार साक्ष्यों के आधार पर प्रभावी पैरवी की।पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर प्रदेशभर में संचालित ऑपरेशन कन्विक्शन के अंतर्गत पुराने गंभीर मामलों में दोषियों को सजा दिलाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त अमरेंद्र कुमार सेंगर, संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार, पुलिस उपायुक्त (महिला अपराध एवं सुरक्षा) ममता रानी चौधरी तथा पुलिस उपायुक्त (उत्तरी) गोपाल कृष्ण चौधरी के निर्देशन में इस मुकदमे की लगातार न्यायालय में प्रभावी पैरवी की गई।न्यायालय में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आरोपी के विरुद्ध आरोप सिद्ध किए। इसके बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे-18), लखनऊ ने 17 जुलाई 2026 को अपना फैसला सुनाते हुए पुत्तु सिंह, निवासी ग्राम ढेढेमऊ, थाना मलिहाबाद को दोषी ठहराया।न्यायालय ने दोषी को पांच वर्ष के कठोर कारावास तथा 10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। न्यायालय ने यह भी आदेश दिया कि यदि अर्थदंड जमा नहीं किया जाता है तो दोषी को तीन माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। साथ ही, आरोपी द्वारा पहले जेल में बिताई गई अवधि को सजा की अवधि में समायोजित किया जाएगा।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में प्रभावी न्यायिक पैरवी के कारण आरोपी को सजा दिलाने में सफलता मिली। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) सारिका मौर्या ने न्यायालय में पैरवी की। वहीं थाना मलिहाबाद के प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र सिंह भाटी तथा पैरोकार कांस्टेबल मनोज कुमार ने साक्ष्यों के समुचित प्रस्तुतिकरण और मुकदमे की लगातार निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।पुलिस का कहना है कि ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों में समयबद्ध और प्रभावी पैरवी कर दोषियों को सजा दिलाने की कार्रवाई लगातार जारी है, ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके और अपराधियों में कानून का भय बना रहे।

70 वर्षीय महिला से दुष्कर्म का आरोपित चार दिन में गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के इटौंजा थाना क्षेत्र में 70 वर्षीय महिला के साथ कथित दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद विशेष टीम गठित की और तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज तथा मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी को चार दिन के भीतर दबोच लिया। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है।पुलिस के अनुसार 14 जुलाई 2026 को पीड़िता के परिजन ने थाना इटौंजा में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि लगभग 70 वर्षीय महिला शौच के लिए घर से बाहर गई थीं। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने उनके साथ दुष्कर्म किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने पीड़िता का न्यायिक बयान दर्ज कराया, चिकित्सीय परीक्षण कराया तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए गए। घटना के शीघ्र खुलासे और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया।जांच के दौरान मिले साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने शनिवार को सीएचसी क्रॉसिंग इटौंजा के पास से संजय उर्फ छंगा (30 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ग्राम कुंडापुर, थाना इटौंजा का निवासी है और ड्राइवरी का कार्य करता है।पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने अपने ऊपर लगे आरोपों के संबंध में बयान दिया है।

रक्षाबंधन पर आत्मनिर्भरता की डोर : स्वयं सहायता समूह की महिलाएं तैयार कर रहीं हस्तनिर्मित राखियां, ऑनलाइन भी होगी बिक्री

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। रक्षाबंधन पर्व को लेकर उत्तर प्रदेश में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं ने तैयारियां तेज कर दी हैं। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) से जुड़ी हजारों ग्रामीण महिलाएं इस वर्ष भी आकर्षक, पर्यावरण अनुकूल और हस्तनिर्मित राखियों का निर्माण कर रही हैं। इन राखियों के माध्यम से जहां ग्रामीण महिलाओं की आय में बढ़ोतरी होगी, वहीं 'वोकल फॉर लोकल' और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के संकल्प को भी मजबूती मिलेगी।प्रदेश के प्रयागराज, वाराणसी, बागपत, बुलंदशहर, लखीमपुर खीरी, गोरखपुर, उन्नाव, शामली, जौनपुर, मिर्जापुर सहित लगभग सभी जनपदों में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं पारंपरिक

कला और आधुनिक डिजाइनों का समन्वय करते हुए विभिन्न प्रकार की राखियां तैयार कर रही हैं। स्थानीय बाजारों में इन हस्तनिर्मित राखियों की मांग लगातार बढ़ रही है और महिलाएं मेलों, प्रदर्शनी स्थलों तथा विक्रय केंद्रों के माध्यम से इनकी बिक्री भी कर रही हैं।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा राखियों का निर्माण केवल एक रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इन राखियों में ग्रामीण संस्कृति, भारतीय परंपरा और महिलाओं की सृजनात्मकता की झलक दिखाई देती है। इससे महिलाओं की आय बढ़ेगी और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के सरकार के संकल्प को भी नई गति मिलेगी।उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को मजबूत बनाकर महिला उद्यमिता को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकता है। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं अपने हुनर के बल पर न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।यूपीएसआरएलएम से जुड़ी महिलाएं सूती धागे, रेशम, मोती, जरी, कुंदन, लकड़ी, कपड़े, अनाज तथा अन्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों से पारंपरिक, आधुनिक, बच्चों के लिए विशेष तथा विभिन्न थीम आधारित राखियां तैयार कर रही हैं। इन राखियों की विशेषता यह है कि इनमें स्थानीय कला, पारंपरिक शिल्प और पर्यावरण संरक्षण का भी समावेश है।ग्रामीण महिला उद्यमियों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग, गुणवत्ता संवर्धन और डिजिटल मार्केटिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

लखनऊ से चलता था अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी का जाल : नकली वायरस का डर दिखाकर विदेशी नागरिकों से करोड़ों की ठगी, पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में संचालित एक अवैध दूरभाष केंद्र से जुड़े अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह की जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार यह गिरोह विदेशी नागरिकों, विशेषकर अमेरिका के लोगों को उनके संगणक पर नकली वायरस और सुरक्षा संबंधी चेतावनी दिखाकर डराता था। इसके बाद उन्हें झांसे में लेकर उनके संगणक का नियंत्रण अपने हाथ में लेता और विभिन्न तरीकों से लाखों डॉलर की ठगी को अंजाम देता था। मामले में दर्ज मुकदमे की जांच के दौरान पुलिस अब पूरे अंतरराष्ट्रीय गिरोह, उसके आर्थिक लेन-देन और डिजिटल साक्ष्यों की गहन पड़ताल कर रही है।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अमेरिका में सक्रिय साइबर अपराधी सबसे पहले लोगों के संगणक पर नकली

वायरस, सुरक्षा चेतावनी और त्रुटि संदेश प्रदर्शित कराते थे। इन संदेशों को इस प्रकार तैयार किया जाता था कि देखने वाला व्यक्ति उन्हें किसी प्रतिष्ठित सॉफ्टवेयर कंपनी का वास्तविक सुरक्षा संदेश समझ ले। संदेश में यह बताया जाता था कि उसका संगणक वायरस से संक्रमित हो गया है और यदि तुरंत सहायता नहीं ली गई तो बैंक खाते, निजी जानकारी और अन्य महत्वपूर्ण सूचनाएं चोरी हो सकती हैं। सहायता के लिए एक निःशुल्क दूरभाष संख्या भी प्रदर्शित की जाती थी।जैसे ही पीड़ित उस संख्या पर संपर्क करता, कॉल भारत स्थित इस अवैध केंद्र में पहुंचती थी। यहां मौजूद गिरोह के सदस्य स्वयं को संगणक सुरक्षा विशेषज्ञ या तकनीकी सहायता अधिकारी बताकर लोगों का विश्वास जीतते थे। इसके बाद वे कुछ सामान्य तकनीकी प्रक्रियाएं करवाकर नकली चेतावनी हटाते थे और दावा करते थे कि उन्होंने संगणक को सुरक्षित कर दिया है।विश्वास कायम होने के बाद पीड़ित से एक ऐसा अनुप्रयोग डाउनलोड कराया जाता था, जिससे उसके संगणक का पूरा नियंत्रण ठगों के हाथ में आ जाता था। इसके बाद वे संगणक में पहले से मौजूद सामान्य तकनीकी जानकारियों को गंभीर खतरे के रूप में प्रस्तुत करते हुए यह विश्वास दिलाते थे कि विदेशी हैकर उसके बैंक खाते और निजी जानकारी तक पहुंच चुके हैं।डर और भ्रम की स्थिति पैदा करने के बाद गिरोह पीड़ितों से संगणक सुरक्षा के नाम पर अलग-अलग अवधि की सेवाओं का शुल्क वसूलता था। जब पीड़ित पूरी तरह उनके झांसे में आ जाता था तो उसे बैंक खाते में प्रवेश कराने के लिए कहा जाता था। इसके बाद उसके खाते में उपलब्ध धनराशि और लेन-देन का विवरण देखकर उसे यह बताया जाता था कि उसका बैंक खाता और पहचान संख्या खतरे में है तथा तत्काल सत्यापन आवश्यक है।जांच में यह भी सामने आया है कि जिन लोगों के बैंक खाते में कम धनराशि होती थी, उनसे उपहार कूपन खरीदवाकर उसका कूट साझा कराया जाता था और विदेश में बैठे अपराधी तुरंत उसकी राशि प्राप्त कर लेते थे। वहीं कुछ मामलों में लोगों को एक विशेष भुगतान संकेत भेजकर निकटतम दुकान में नकद राशि जमा कराने के लिए कहा जाता था।यदि किसी पीड़ित के बैंक खाते में अधिक धनराशि होती थी तो उसे बैंक से नकद रकम निकालने के लिए कहा जाता था। इसके बाद यह झांसा दिया जाता था कि सुरक्षा जांच के लिए अधिकृत प्रतिनिधि उसके घर आएगा और राशि का सत्यापन कर वापस कर देगा। जांच में पता चला है कि विदेश में इस कार्य के लिए अलग-अलग दल सक्रिय थे, जो पीड़ितों के घरों से नकदी एकत्र करते थे।पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार इस ठगी से प्राप्त अधिकांश धनराशि पहले विदेश में सक्रिय गिरोह के सदस्यों के पास पहुंचती थी। वहां से अपना हिस्सा निकालने के बाद शेष रकम अवैध माध्यमों से भारत में बैठे संचालकों तक पहुंचाई जाती थी। पुलिस अब पूरे आर्थिक लेन-देन, अंतरराष्ट्रीय संपर्कों और डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है।इस खुलासे के बाद अपराध शाखा ने आम नागरिकों के लिए विशेष परामर्श भी जारी किया है। लोगों से कहा गया है कि किसी भी नकली वायरस चेतावनी या सुरक्षा संदेश से घबराकर उस पर दिए गए निःशुल्क दूरभाष नंबर पर संपर्क न करें। किसी भी अनजान व्यक्ति को अपने संगणक का नियंत्रण न दें और बैंक खाता, गुप्त संकेतांक, एकमुश्त सत्यापन संख्या या अन्य गोपनीय जानकारी किसी से साझा न करें।

नेपाल में उठ रही हिंदी की मांग

नेपाल की जनकपुर उपमहानगर पालिका ने अपने अधीन प्राथमिक विद्यालय में मैथिली भाषा की पढ़ाई का फैसला लिया है। जनकपुर से महज तीस किलोमीटर दूर भारतीय सीमा में पहले से ही मैथिली की पढ़ाई हो रही है। भारत में मैथिली भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषा है। चूंकि जनकपुर के आसपास मैथिलीभाषियों की अच्छी-खासी संख्या है। लिहाजा जनकपुर उपमहानगर पालिका के इस निर्णय का मैथिलभाषी समुदाय में स्वागत होना लाजमी है। लेकिन नेपाल का ही एक वर्ग इस फैसले के विरोध में उतर आया है। दिलचस्प यह है कि उसे मैथिली से कोई बुनियादी विरोध नहीं है, बल्कि वह चाहता है कि मधेस इलाकों में हिंदी की विधिवत पढ़ाईहोनी चाहिए। हिंदी समर्थक इस वर्ग का तर्क है कि इस कदम से नेपाल में बोली जाने वाली भारतीय मूल की भाषाओं के बीच एकता का संदेश जाएगा और यह एकता मधेस समुदाय की राजनीतिक ताकत को बढ़ावा देगी। लेकिन मधेस समाज के लोग अपनी-अपनी भाषाओं की अगर पढ़ाई पर जोर देने लगेंगे तो इससे मधेस समाज में बिखराव आएगा और उनकी एकता में दरार बढ़ेगी। इसका सीधा फायदा संख्या के लिहाज से मधेस समुदाय की तुलना में छोटा खस आर्य मूल के नेपाली समुदाय का नेपाल की राजनीति में वर्चस्व बना रह सकता है। नेपाल में भाषा को लेकर उठे इन सवालों पर विचार से पहले मधेस समुदाय के बारे में मोटे तौर पर कुछ बातें समझनाआवश्यक है। नेपाल में पहाड़ी मूल के अलावा तराई में जो लोग रहते हैं, उन्हें मधेस या मधेसी कहा जाता है। मधेस समुदाय की व्यापकता उत्तर प्रदेश की सीमा से लेकर बिहार होते हुए पश्चिम बंगाल की सीमा तक नेपाली हिस्से में है। नेपाल की कुल जनसंख्या तीन करोड़ है। आंकड़ों के मुताबिक, करीब 53 प्रतिशत यानी लगभग एक करोड़ साठ लाख लोग मधेसी है। नेपाल में बड़ी जनसंख्या होने के बावजूद यहां की शासन व्यवस्था में पहाड़ी मूल के लोगों का ही वर्चस्व रहा है, जिनकी जनसंख्या करीब एक करोड़ चालीस लाख है।

मधेसी समुदाय का अपने सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों से रोटी और बेटी का रिश्ता है। वे लोग पहाड़ी मूल के लोगों की बजाय सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों की तरह दिखते, रहते, खाते-पीते और बोलते हैं। इनमें अवधी, भोजपुरी, थारू, बज्जिका, अंगिका, मैथिली, सतार, मगही, राजवंशी और मैथिलीभाषी शामिल हैं। नेपाल की राष्ट्रीय मुक्ति पार्टी के नेता रह चुके रमन पांडेय इन दिनों हिंदी के लिए स्वतंत्र रूप से अभियान चला रहे हैं। उनका तर्क है कि मैथिली की पढ़ाई से उन्हें एतराज नहीं है। लेकिन इससे मधेस समुदाय की आपसी एकता में दरार पड़ेगी। उनका कहना है कि नेपाल का पहाड़ी शासक समुदाय चाहता है कि मधेस समाज की एकता बाधित हो। यह उसके हित में है, क्योंकि मधेस जनसंख्या अगर बंटी होगी तो पहाड़ी मूल के लोगचुनावों में जीतते रहेंगे और कम संख्या के बावजूद वे देश पर शासन करते रहेंगे। नेपाल में 133 भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन यहां मोटे तौर पर नेपाली और अंग्रेजी माध्यम से ही पढ़ाई होती है। नेपाल में हिंदी की पढ़ाई की मांग करने वाले वर्ग का तर्क है कि अगर हिंदी को शासकीय मान्यता मिलती है और उसकी पढ़ाई होती है तो वह नेपाल की सभी 133 भाषाओं के आपसी संपर्क का सबसे बड़ा जरिया होगी। यह मांग कुछ वैसे ही है, जैसे भारत में आपसी संपर्क भाषा के लिए हिंदी को अपनाने का विचार केशवचंद्र सेन, गुजराती कवि नर्मदा शंकर उपाध्याय, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी और बिनोबा भावे सदृश हस्तियों ने दिया था। विनोबा और पुरूषोत्तम दास टंडन ने तो देवनागरी लिपि को दूसरी भाषाओं द्वारा अपनाए जाने और उसके विस्तार की जोरदार पैरवी की थी। रमन पांडेय जैसे लोग भी नेपाल में हिंदी को कुछ उसी तरह आगे लाने की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि अगर हिंदी को मान्यता मिली तो नेपाल की स्थानीय भाषाओं के बीच मजबूत कड़ी बनकर उभरेगी। वैसे भी मधेस समुदाय जब दूसरे भाषा-भाषी से बात करता है तो वह हिंदी का ही सहारा लेता है। इससे नेपाली एकता की भावना को तो मजबूती मिलेगी ही, भारतीय सीमा पार रिश्तों को निभाने में नेपाली लोगों मदद मिलेगी। हिंदी समर्थकों का यह भी तर्क है कि मधेस समुदाय की आपसी एकता को भी हिंदी के ही जरिए मजबूती मिल सकेगी। मधेस आबादी नेपाल के बाइस जिलों में फैली हुई है। रमन पांडेय जैसे लोगों का तर्क है कि बाइस जिलों के लोगों को एक माला में जोड़ने में हिंदी ही कामयाब हो सकती है। रमन पांडेय का कहना है कि नेपाली भाषा बेहद छोटे समुदाय खस आर्य की भाषा है। जिनकी संख्या एक करोड़ भी नहीं है। लेकिन वह पूरे देश की एक मात्र भाषा बनी हुई है।

परमाणु संयंत्र का डाटा लीक हो गया, क्या ऐसी साइबर सुरक्षा के भरोसे आगे बढ़ेगा डिजिटल इंडिया?

इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं।

नीरज कुमार दुबे

देश की सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में शामिल तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र से जुड़े हजारों गोपनीय दस्तावेज कथित रूप से सार्वजनिक होने के बाद भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। हम आपको बता दें कि रैनसमवेयर गिरोह ₹वर्ल्ड लीक्स₹ ने दावा किया है कि उसने संयंत्र से संबंधित 19 हजार से अधिक संवेदनशील फाइलें डार्क वेब पर जारी कर दी हैं। इन दस्तावेजों को लगभग 8 लाख 58 हजार फाइलों के उस बड़े संग्रह का हिस्सा बताया जा रहा है, जिसे परियोजना से जुड़े ठेकेदार रिलायंस समूह के डाटा से चुराया गया है। हालांकि इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, फिर भी विशेषज्ञ इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत गंभीर मामला मान रहे हैं।

इस बीच, रिलायंस समूह ने मीडिया को बताया कि तीसरे पक्ष के भारतीय डाटा सेंटर प्रदाता योट्टा के सर्वर पर रखे गए उसके डाटा में आंशिक सेंधमारी हुई है। कंपनी के अनुसार सरकार को इस घटना की जानकारी दे दी गई है, लेकिन किस प्रकार का डाटा प्रभावित हुआ, इसका खुलासा नहीं किया गया। दूसरी ओर योट्टा ने कहा कि उसने 29 मई को सर्वर पर संदिग्ध गतिविधियों का पता लगा लिया था और संदिग्ध रैनसमवेयर को सक्रिय होने से रोक दिया गया था। बाद में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने संभावित डाटा लीक के दावे की जानकारी दी।
शब्दकोशऔर विश्वकोश

हम आपको बता दें कि कथित रूप से लीक हुए दस्तावेज वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2025 के मध्य तक के बताए जा रहे हैं। इनमें वेंटिलेशन और शीतलन प्रणालियों के इंजीनियरिंग नक्शे, साझा नियंत्रण कक्ष की रूपरेखा, उपकरणों के निरीक्षण प्रतिवेदन, आपूर्तिकर्ताओं की सूची, विक्रेताओं के प्रस्ताव, बैठकों के अभिलेख तथा बीमा संबंधी दस्तावेज शामिल बताए गए हैं। अधिकांश दस्तावेज कुडनकुलम परियोजना की तीसरी और चौथी इकाई से संबंधित हैं, जिनका निर्माण कार्य जारी है और जिनके वर्ष 2027 तक चालू होने की संभावना है। राहत की बात यह है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार इनमें परमाणु रिएक्टर के मुख्य तंत्र की रूपरेखा शामिल नहीं है, क्योंकि वह रूस की सरकारी कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जाती है।

फिर भी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी जानकारी शत्रुतापूर्ण तत्वों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि किसी हमलावर को यह जानकारी मिल जाए कि परियोजना में किन व्यक्तियों, ठेकेदारों और प्रणालियों की पहुंच कहां तक है, तो वह प्रत्यक्ष रूप से परमाणु रिएक्टर पर हमला किए बिना भी उससे जुड़ी सहायक व्यवस्थाओं, आपूर्ति श्रृंखला या तीसरे पक्ष की प्रणालियों को निशाना बना सकता है। इससे परियोजना के संचालन, रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर अप्रत्यक्ष खतरा उत्पन्न हो सकता है।

इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है। परमाणु ऊर्जा विभाग और प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। उल्लेखनीय है कि संबंधित हैकर गिरोह पहले भी कई प्रमुख औद्योगिक संस्थानों को निशाना बना चुका है। कंप्यूटरसुरक्षा

देखा जाये तो यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना पर साइबर हमलों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। एक साइबर सुरक्षा कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष भारत में लगभग दो करोड़ नवासी लाख खाते किसी न किसी रूप में डाटा समझौते का शिकार हुए, जिससे भारत विश्व के सर्वाधिक प्रभावित देशों में शामिल रहा। वहीं हाल के एक औद्योगिक सर्वेक्षण में पाया गया कि 73 प्रतिशत भारतीय संस्थानों को यह तक जानकारी नहीं थी कि वे कभी साइबर हमले का शिकार हुए हैं या नहीं, जबकि 57 प्रतिशत संस्थानों में बुनियादी साइबर उपायों का भी अभाव है।

देखा जाये तो कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना केवल बिजली उत्पादन का केंद्र नहीं है, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा, परमाणु क्षमता और सामरिक आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार भी है। इस परियोजना पर किसी भी प्रकार का साइबर हमला या गोपनीय सूचनाओं का लीक होना सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। आधुनिक युद्ध में साइबर क्षेत्र को भूमि, जल, वायु और अंतरिक्ष के समान ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे में महत्वपूर्ण अवसंरचना से संबंधित सूचनाओं का दुरुपयोग कर शत्रु देश या संगठित साइबर अपराधी बिना प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई के भी रणनीतिक दबाव बना सकते हैं।

बहरहाल, इस घटना ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल परमाणु संयंत्र की आंतरिक सुरक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि उससे जुडे ठेकेदारों, डाटा सेंटरों, आपूर्ति श्रृंखला और तीसरे पक्ष की डिजिटल प्रणालियों की सुरक्षा भी समान रूप से आवश्यक है। भविष्य में राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचा, नियमित सुरक्षा परीक्षण, आपूर्ति श्रृंखला का कड़ा सत्यापन तथा संवेदनशील सूचनाओं की बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था विकसित करना अनिवार्य होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय रक्षा रणनीति का अभिन्न हिस्सा बनाते हुए इस क्षेत्र में निवेश और समन्वय दोनों को और मजबूत करना होगा, ताकि ऐसी घटनाओं से सामरिक हितों और राष्ट्रीय सुरक्षा की प्रभावी रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

व्यंग्य

दृढ़ता का प्रशंसनीय उदाहरण

अमेरिका में जजों के बहुमत ने महसूस किया कि कोई संवैधानिक व्यवस्था उस स्थिति में स्थिर ढंग से नहीं चल सकती, अगर गणराज्य की मूलभूत इकाई- नागरिक- की परिभाषा मनमाने ढंग से तय की जाती हो।

जिस समय भारत में नागरिकता के प्रमाण-पत्र को लेकर जानबूझकर अनिश्चय पैदा कर दिया गया है, अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने दृढ़ता का प्रशंसनीय उदाहरण पेश किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने नागरिकता के इस नियम को बदलने का प्रयास किया कि अमेरिकी भूमि पर जन्मा हर व्यक्ति वहां का नैसर्गिक नागरिक है। सुप्रीम कोर्ट ने अब ट्रंप के इस आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि नागरिकता की अवधारणा को डेढ़ सौ साल पहले संवैधानिक रूप से स्पष्ट कर दिया गया था, जिसे मनमाने ढंग से नहीं बदला जा सकता। हालांकि इस प्रश्न पर अमेरिका में उभरे तीखे राजनीतिक मतभेद और सामाजिक ध्रुवीकरण की छाया कोर्ट पर भी पड़ी। उसने 5-4 के बहुमत से ये फैसला सुनाया।

यानी चार जजों ने मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) आंदोलन के विदेशी विद्वेष से भरे एजेंडे के तहत लिए ट्रंप के निर्णय का पक्ष लिया। फिर भी इस निर्णय ने अमेरिकी न्यायपालिका में मौजूद स्वतंत्र चिंतन और संवैधानिक भावना के पक्ष में खड़े होने की भावना की पुष्टि की है। जजों के बहुमत ने महसूस किया कि कोई संवैधानिक व्यवस्था उस स्थिति में स्थिर ढंग से नहीं चल सकती, अगर गणराज्य की मूलभूत इकाई- नागरिक- की परिभाषा मनमाने ढंग से तय की जाती हो। इसलिए उसने 1868 में पारित 14वें संविधान की भावना के मुताबिक नागरिकता के नियमों में हेरफेर की कोशिश को नाकाम कर दिया है।

संयोगवश ये फैसला उस समय आया है, जब भारत में भी नागरिकता की निर्धारित परिपाटी को मनमाने नियमों के जरिए चुनौती दी गई है। पश्चिम बंगाल में मोदी सरकार के विरोधी रहे एक अंग्रेजी अखबार के पूर्व संपादक का पासपोर्ट वोटर लिस्ट में नाम ना होने के आधार पर रीन्यू ना करने की घटना ने ऐसे मनमाने में निहित खतरे को स्पष्ट कर दिया है। संबंधित व्यक्ति का वोटर लिस्ट से नाम एसआईआर के दौरान हटा, जिसके बारे में एक धारणा यह है कि ये पूरी प्रक्रिया मनमाने ढंग से अंजाम दी गई। क्या भारतीय न्यायपालिका से आज ये उम्मीद की जा सकती है कि वह नागरिकता के प्रश्न पर अमेरिकी कोर्ट जैसी दृढ़ता दिखाएगी?

ब्लॉग

बांकीपुर उपचुनाव 2026: भाजपा उम्मीदवार के यकायक बदलाव से उभरने लगे सुलगते सवाल?

कमलेश पांडे

भोजपुरी में एक कहावत है- लइका मालिक, बूढ़ दीवान, मामला बिगड़े साँझ बिहान। यानी कि जिस घर का लड़का मालिक होता है और बूढ़ा व्यक्ति दीवान मतलब सलाहकार की भूमिका में आ जाता है तो वहां अच्छे और कार्यकुशल सुझावों पर भी विलंब से निर्णय होने के चलते मामला साँझ यानी शाम से सुबह तक कभी भी उलझ यानी बिगड़ जाता है। यदि पुरानी कुछ बातों को भूला भी दिया जाए तो हाल ही में बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा द्वारा घोषित उम्मीदवार अभिषेक कुमार सिन्हा (बंटी) का नामांकन वापस लेकर नीरज कुमार सिन्हा को उम्मीदवार बनाए जाने से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की काफी किरकिरी हुई है।

चूंकि उनका चयन प्रधानमंत्री मोदी के स्तर पर यकायक हुआ है, इसलिए उँगली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ भी उठी। बात इतनी सी नहीं है, बल्कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और उनके चहेते मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सियासी रणनीति भी अचानक सवालों के घेरे में आ गई। यही वजह है कि नई दिल्ली से लेकर पाटलिपुत्र/पटना के सियासी गलियारों में राजनीतिक चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। लोग एक दूसरे से यह जानना चाह रहे हैं कि आखिर बांकीपुर उपचुनाव की उठापटक में हुए 'उम्मीदवार बदल' के निर्णायक निर्णय में किसका पलड़ा भारी रहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का या केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री सह गृहमंत्री सम्राट चौधरी का!

यक्ष प्रश्न है कि बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा को अपने ही घोषित उम्मीदवार को बदलने की नौबत क्यों आई? क्या यह राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष की विफलता नहीं है? क्या यह प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री या दोनों को गुमराह करके बदनाम करने की कोई नई चाल तो नहीं है? या फिर कुछ और बात है, एक तहकीकात तो बनती है, ताकि भविष्य में ऐसे फैसलों से बचा जा सके। वाकई बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा द्वारा पहले अभिषेक कुमार (बंटी) को उम्मीदवार बनाना और फिर उनका नाम वापस लेकर नीरज कुमार सिन्हा को उम्मीदवार घोषित करना स्वाभाविक रूप से कई सवाल खड़े करता है। आधिकारिक तौर पर अभिषेक कुमार ने ₹पारिवारिक कारणों₹ का हवाला देकर नामांकन वापस लिया है।

हालांकि राजनीतिक हलकों और मीडिया चर्चाओं में कुछ संभावित कारणों की चर्चा है, जिन्हें केवल अटकलों या विश्लेषण के रूप में ही देखा जाना चाहिए। चूंकि राष्ट्रीय व सूबाई मीडिया के राजनीतिक विश्लेषण में कुछ संभावित पहलुओं पर चर्चा हो रही है जो लाजिमी है और इसप्रकार से हैं:- पहली, उम्मीदवार की पृष्ठभूमि पर मिली नई जानकारी से उभरी चिंताएं: कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि उम्मीदवार से जुड़े एक संभावित विवाद की जानकारी नामांकन के बाद सामने आने पर पार्टी ने जोखिम लेने के बजाय उम्मीदवार बदलना ही बेहतर समझा। चूंकि नामांकन के बाद कुछ ऐसी सूचनाएं सामने आईं जिन्हें पार्टी चुनावी दृष्टि से जोखिमपूर्ण मान रही थी। हालांकि इस पर भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

दूसरी, स्थानीय संगठन की असहमतिः कुछ विश्लेषकों का मानना है कि पटना महानगर और बांकीपुर के स्थानीय नेताओं का एक वर्ग घोषित उम्मीदवार के पक्ष में पूरी तरह सहज नहीं था। यदि ऐसा था, तो चुनाव प्रबंधन प्रभावित होने की आशंका रही होगी।

तीसरी, जीत की संभावनाः भाजपा बांकीपुर को अपनी परंपरागत मजबूत सीट मानती है। यदि आंतरिक सर्वे या फीडबैक में उम्मीदवार को लेकर नकारात्मक संकेत मिले हों, तो अंतिम समय में बदलाव को बेहतर विकल्प माना गया होगा।

चौथी, विपक्ष को मुद्दा बनने से रोकनाः यदि पार्टी को लगा कि उम्मीदवार से जुड़ा कोई विवाद चुनाव प्रचार के दौरान बड़ा मुद्दा बन सकता है, तो उसने पहले ही उम्मीदवार बदलकर संभावित नुकसान कम करने की कोशिश की हो सकती है।

पांचवीं, क्या यह नेतृत्व की विफलता है?: इसके दो पक्ष हैं-यदि उम्मीदवार की पूरी जांच के बाद ही नाम घोषित हुआ था और बाद में वही कारण बदलने की वजह बना, तो प्रारंभिक जांच प्रक्रिया पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

लेकिन यदि नामांकन के बाद कोई नई और महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई, तो उम्मीदवार बदलना संगठन की त्वरित प्रतिक्रिया भी माना जा सकता है।

छठी, क्या यह संगठन की विफलता है?: यदि किसी उम्मीदवार को केंद्रीय चुनाव समिति तक मंजूरी मिलने के बाद बदलना पड़े, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रारंभिक जांच (due diligence) पूरी तरह हुई थी या नहीं। इस दृष्टि से आलोचक इसे संगठनात्मक कमी मान सकते हैं। या फिर यह नुकसान सीमित करने की रणनीति थी?

सातवीं, नुकसान नियंत्रित (damage control) करने की रणनीति : यह भी तर्क दिया जा सकता है कि यदि नामांकन के बाद कोई नई जानकारी सामने आए और पार्टी तुरंत निर्णय लेकर उम्मीदवार बदल दे, तो इसे नुकसान नियंत्रित (damage control) करने की रणनीति भी माना जा सकता है। ऐसी स्थिति में बाद में बड़ा विवाद झेलने की बजाय तत्काल निर्णय लेना नेतृत्व की सक्रियता भी माना जा सकता है। राजनीति

आठवीं, सबकुछ सामान्य है या असामान्य, चिता की बातः यहां यह कहना कि यह केवल राष्ट्रीय अध्यक्ष या प्रदेश अध्यक्ष की विफलता है, उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अभी जल्दबाजी होगी। वहीं यह कहना भी उचित नहीं होगा कि सब कुछ सामान्य था। दोनों संभावनाओं के बीच सच्चाई इस बात पर निर्भर करेगी कि उम्मीदवार बदलने की वास्तविक वजह क्या थी, जिसे भाजपा ने सार्वजनिक रूप से विस्तार से नहीं बताया है।

नौवीं, संगठनात्मक जवाबदेही का यक्ष प्रश्नः ऐसे में यदि भविष्य में यह स्पष्ट हो जाए कि विवादित जानकारी पहले से उपलब्ध थी और जांच में चूक हुई, तो संगठनात्मक जवाबदेही का प्रश्न अधिक मजबूती से उठेगा। लेकिन यदि जानकारी बाद में सामने आई और उसी आधार पर निर्णय लिया गया, तो इसे जोखिम प्रबंधन के रूप में भी देखा जा सकता है।

दसवीं, भाजपा ने कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी, इसलिए सबकुछ भविष्य पर निर्भरः चूंकि बांकीपुर उपचुनाव में उम्मीदवार बदलने के पीछे के 'अंदरूनी कारणों' पर अभी तक भाजपा ने कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। इसलिए किसी एक कारण को तथ्य के रूप में कहना उचित नहीं होगा। हालांकि इस समय उपलब्ध सार्वजनिक तथ्यों के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है कि उम्मीदवार परिवर्तन का वास्तविक कारण क्या था। इसलिए किसी विशेष व्यक्ति, गुट या नेतृत्व पर निश्चित आरोप लगाना तथ्यों से परे होगा। यदि भविष्य में आधिकारिक दस्तावेज़, विश्वसनीय रिपोर्ट या संबंधित पक्षों के बयान सामने आते हैं, तब अधिक ठोस निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं।

आखिर राजनीति के अंतःपुर में क्या क्या चर्चाएं चल रही हैं, किस खेमे में कौन सी सुस्वादु खिचड़ी पक रही है, यह अंदाजा भी आपको होना चाहिए

वहीं, एक अन्य चौपाली चर्चा के मुताबिक भाजपा का या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का, क्योंकि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के बिहार की सत्ता में आने के बाद से पहले मुख्यमंत्री बदल यानी नीतीश कुमार की जगह पर सम्राट चौधरी का राज्याभिषेक और अब बांकीपुर उपचुनाव में उम्मीदवार बदल यानी भाजपा द्वारा पूर्व में घोषित उम्मीदवार अभिषेक कुमार सिन्हा (बंटी) का नामांकन वापस लेकर नीरज कुमार सिन्हा को उम्मीदवार बनाए जाने को सामान्य घटनाक्रम नहीं ठहराया जा सकता है। यह बिहार एनडीए के आपसी दांवपेच से भी अभिप्रेरित हो सकता है। चूंकि बिहार के कद्दावर नेता इन दिनों हाशिए पर चले गए हैं, इसलिए वो नहीं चाहते कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जैसे सुलझे हुए नेता सफल हों, क्योंकि इनकी सफलता से उनका सियासी भविष्य उलझ जाएगा।

तभी तो कभी नीतीश कुमार की सेहत को मीडिया में उछाला गया, फिर सम्राट चौधरी के खिलाफ विजय कुमार सिन्हा की तैयारी को बेवजह तूल दिलवाया गया, उसके बाद तिवारी एनकाउंटर के बहाने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बदनाम करने की मुहिम चलाई-चलवाई गई, और अब पार्टी के सर्वेसर्वा नितिन नवीन के गृह क्षेत्र और खुद उनकी ही छोड़ी हुई सीट जहां से वे और उनसे पहले उनके पिताजी दशकों से विधायक रह चुके हैं, उस सीट पर उम्मीदवार बदल अभियान के पीछे की सियासत को समझना/समझाना जरूरी है। यह राजनीतिक पत्रकारों के लिए शोध का विषय है कि यह सबकुछ महज संयोग है या किसी शातिर राजनेता के इशारे पर चल रहा अनुप्रयोग दर अनुप्रयोग, क्योंकि सवाल बिहार के विकास और राजनीतिक भविष्य दोनों का। आजादी के 8 दशक में भी बिहार को प्रधानमंत्री पद नहीं मिलना भी चिंता का सबब है। इसलिए हर परिस्थिति को अनुकूल बनाइए, अनुकूल परिस्थितियों को प्रतिकूल बताने, बनाने से बाज आइए।

अभी तक उपलब्ध सार्वजनिक जानकारी के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता है कि यह फैसला सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी या आरएसएस भक्त/मोदी अनुगामी कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, पूर्व उपमुख्यमंत्री के हस्तक्षेप से हुआ, प्रमाणित नहीं है। क्योंकि ऐसी किसी आधिकारिक पुष्टि या विश्वसनीय रिपोर्ट का अभाव है। वहीं, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के खासमखास एमएलसी, राष्ट्रीय प्रवक्ता व केंद्रीय मीडिया उपप्रभारी संजय मयूख और केंद्रीय भाजपा के पदाधिकारी ऋतुराज सिन्हा, पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद आदि के रहते हुए भी भाजपा नेतृत्व गुमराह हुआ, यह अंदरूनी जांच का विषय है, क्योंकि उम्मीदवार बदल अभियान से शीर्ष नेताओं की छवि और साख दोनों प्रभावित हुई है।

वहीं, राजनीतिक गलियारों में कुछ ऐसी ही चर्चाएँ (गॉसिप) चल रही हैं, जिन्हें तथ्य के रूप में नहीं, बल्कि अटकलों के रूप में ही देखा जाना चाहिए। इनमें प्रमुख बातें हैं:- कुछ लोगों का मानना है कि उम्मीदवार चयन के बाद स्थानीय संगठन और प्रभावशाली नेताओं के एक वर्ग ने आपत्ति जताई, जिसकी ऊपर में सांकेतिक चर्चा की जा चुकी है, के बाद ही पार्टी ने नुकसान की आशंका देखते हुए अपना फैसला बदला। वहीं, दूसरी चर्चा यह है कि बांकीपुर भाजपा की प्रतिष्ठित सीट है और यहां जनसुराज पार्टी के सर्वेसर्वा प्रशांत किशोर के चुनाव लड़ने से मुकाबला हाई-प्रोफाइल हो गया। इसलिए पार्टी ने अंतिम समय में अधिक सर्वमान्य चेहरे पर दांव लगाया।

हैदराबाद में प्रशिक्षण के लिए कृषि विशेषज्ञ ज्ञानचन्द्र तिवारी का हुआ चयन

सुलतानपुर। खेती किसानी में अपनी अलग पहचान बना चुके युवा किसान व कृषि विशेषज्ञ ज्ञानचन्द्र तिवारी का क्षमता विकास प्रशिक्षण के लिए चयन हुआ है। वह तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।उत्तर प्रदेश से चयनित 11 युवा किसानों में कृषि विशेषज्ञ ज्ञानचन्द्र तिवारी भी शामिल हैं। जनपद सुलतानपुर के अखण्ड नगर विकास खण्ड के ग्राम ज्ञान नगर उनरखा गांव निवासी कृषि विशेषज्ञ ज्ञानचन्द्र तिवारी किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) बना कर मशरूम, वर्मी कंपोस्ट उत्पादन, प्राकृतिक खेती, नर्सरी के साथ साथ किसानों को प्रशिक्षण भी देते हैं। उनके नवाचार को देखते हुए कृषि विभाग ने प्रशिक्षण के लिए उनका नाम नामित किया है। यह प्रशिक्षण संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के वर्ल्ड फूड फोरम-नेशनल चौप्टर इन इंडिया के तहत आयोजित किया जा रहा है।

मुस्कान, सोनम के बाद अब मेरठ की दामिनी... प्रेमी की खातिर पति को सांप से कटवाकर मार डाला

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले से सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां हस्तिनापुर थाना क्षेत्र में एक स्कूल संचालक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। शुरुआत में जिस घटना को प्राकृतिक रूप से सांप के काटना माना जा रहा था, वो दरअसल एक सोची-समझी और बर्बर हत्या निकली। मृतक अतुल पंवार की पत्नी दामिनी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर इस पूरी साजिश को रचा था। ताकि रास्ते के कांटे को हटाकर बीमे की मोटी रकम हासिल की जा सके। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

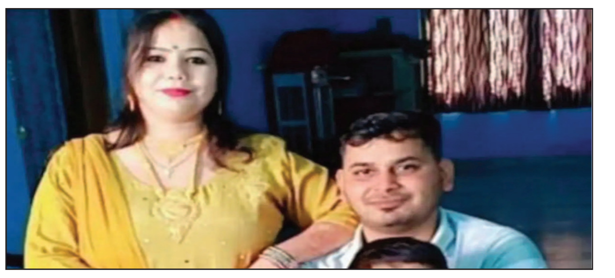

जानकारी के मुताबिक, बहसूमा क्षेत्र के मूल निवासी अतुल पंवार पिछले कई सालों से हस्तिनापुर में एक किराए के मकान में रहकर कृष्ण किड्स प्ले स्कूल का संचालन करते थे। करीब सात वर्ष पहले उन्होंने दामिनी नाम की महिला से प्रेम विवाह किया था और दोनों का एक छह साल का बेटा भी है।

पत्नी दामिनी ने शुरुआत में पुलिस को गुमराह करने के लिए कहानी गढ़ी कि गुरुवार की रात वो पति और बेटा एक ही बिस्तर पर सोए थे। देर रात करीब दो बजे गर्मी लगने पर वह बेटे को लेकर दूसरे कमरे में कूलर में सोने चली गई। सुबह छह बजे जब वह चाय लेकर पहुंची, तो अतुल मृत पड़े थे और बिस्तर पर एक काला सांप रेंग रहा था। ग्रामीणों ने बाद में उस सांप को पकड़कर एक डिब्बे में बंद कर दिया था।

अतुल की मौत की खबर मिलते ही जब उनके परिजन मौके पर पहुंचे, तो उन्हें पूरी कहानी पर गहरा संदेह हुआ। परिजनों ने शव के दाहिने पैर पर सांप के काटने के निशान देखने के बाद सीधे आरोप लगाया कि यह कोई प्राकृतिक घटना नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या है। उनका शक सीधे दामिनी पर गया, जिसके बाद

एसपी देहात अभिजीत कुमार ने बताया कि स्थानीय मेडिकल स्टोर से प्रेमी तुषार ने दो दिन पहले नींद की पंद्रह गोलियां खरीदी थी। पुलिस मेडिकल स्टोर संचालक से पूछताछ करेगी।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया। हस्तिनापुर थाना पुलिस और फोरेंसिक की टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। जिस बिस्तर पर अतुल का शव मिला था, वहां से यूरिन और अन्य महत्वपूर्ण जैविक साक्ष्य एकत्र किए गए। इन वैज्ञानिक नमूनों ने पुलिस के शक को यकीन में बदल दिया।

20 लाख का बीमा और बस ड्राइवर से इश्क बना हत्या की वजह

मेरठ के एसएसपी (SSP) अविनाश पांडे ने इस पूरे मामले का आधिकारिक अनावरण करते हुए सनसनीखेज खुलासे किए हैं। पुलिस की कड़ी पूछताछ के सामने दामिनी ज्यादा देर टिक नहीं सकी और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। दामिनी का अपने ही स्कूल के बस ड्राइवर से प्रेम संबंध चल रहा था। वे दोनों शादी करना चाहते थे और रास्ते से अतुल को हटाना चाहते थे। SSP ने बताया कि मृतक अतुल पंवार का 20 लाख का जीवन बीमा था। इस बड़ी रकम को हड़पने और एक साथ रहने के लिए पत्नी और उसके आशिक ने यह खौफनाक साजिश रची। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि अतुल को मारने का प्रयास पहले भी किया जा चुका था। फिलहाल, पुलिस ने दोनों हत्यारोपियों को जेल भेज दिया है और आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

आरोपी प्रेमी ने कार से मारी थी अतुल की स्कूटी पर टक्कर

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि प्रेमी तुषार व दामिनी ने कुछ दिन पूर्व स्कूल संचालक अतुल को सड़क हादसे में मारने की योजना बनाई थी। 20 दिन पूर्व तुषार ने अतुल की स्कूटी को कार से टक्कर मारी थी। मगर अतुल मामूली रूप से घायल हुआ। अतुल ने पत्नी से कार चालक के खिलाफ थाने पर शिकायत की बात कही थी। मगर महिला ने शिकायत करने से मना कर दिया था। स्कूल संचालक को कुछ शक हुआ था।

कादीपुर बार एसोसिएशन अध्यक्ष पद हेतु एडवोकेट अशोक पांडेय ने किया नामांकन

कादीपुर/सुलतानपुर। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट अशोक पांडेय ने आज अपने समर्थकों, वरिष्ठ एवं जूनियर अधिवक्ताओं के साथ उत्साहपूर्ण माहौल में नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं शुभचिंतक उनके साथ नामांकन स्थल पर मौजूद रहे।

बताते चलें कि कादीपुर बार एसोसिएशन का चुनाव आगामी 25 जुलाई को कादीपुर तहसील परिसर में संपन्न होगा। नामांकन के अवसर पर एडवोकेट अशोक पांडेय ने सभी अधिवक्ता साथियों का आभार व्यक्त करते हुए उनका सहयोग एवं आशीर्वाद बनाए रखने की अपील की।

घर लौट रहे बुजुर्ग दूध व्यवसायी की हत्या, बहू ने देवरानी और भतीजों पर लगाया आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। जिले के चांदा कोतवाली क्षेत्र के बरनी गांव में शुक्रवार देर रात 65 वर्षीय दूध व्यवसायी रमापति तिवारी की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। घटना उस समय हुई जब वह चांदा बाजार से दूध बेचकर घर लौट रहे थे। रास्ते में सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़े रमापति को एक पड़ोसी ने देखा और परिजनों को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर कमैचा भेजा, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। हालांकि रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक की बड़ी बहू ममता तिवारी ने हत्या का आरोप अपनी देवरानी शशि तथा उसके बेटों शुभम और सुधांशु पर लगाया है। ममता का कहना है कि तीन दिन पहले पारिवारिक विवाद के दौरान रमापति तिवारी ने अपने मझले बेटे बलवंत को समझाने और उसकी पत्नी की पिटाई रोकने का प्रयास किया था। इसी बात को लेकर परिवार में विवाद बढ़ गया था। ममता तिवारी का आरोप है कि इसी रंजिश में शशि, शुभम और सुधांशु ने रमापति तिवारी की हत्या कराई। उन्होंने कहा कि जब तक नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होगी, तब तक परिवार अंतिम संस्कार नहीं करेगा। थाना प्रभारी राजकुमार वर्मा ने बताया कि बड़ी बहू की तहरीर के आधार पर शशि, शुभम और सुधांशु के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है। पुलिस का कहना है कि हत्या के कारणों और लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी।

मारुति वैन के अंदर ठूसे स्कूली छात्र, जगह नहीं बची तो छत पर बैठाकर दौड़ाई गाड़ी...

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले से यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने और स्कूली बच्चों की जान जोखिम में डालने का एक खौफनाक मामला सामने आया है। यहां एक निजी स्कूल प्रबंधन की घोर लापरवाही के कारण मासूम बच्चों को खतरे में डालकर सफर कराया जा रहा है। सोशल मीडिया पर एक स्कूल वैन का Video तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें बच्चे वैन के अंदर ठसाठस भरे होने के साथ-साथ उसकी छत पर भी असुरक्षित तरीके से बैठे हुए नजर आ रहे हैं।

यह पूरा मामला बिजनौर जिले के अफजलगढ़ इलाके के असफाबाद चमन गांव का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मारुति ईको स्कूल वैन के अंदर बच्चों को क्षमता से कई गुना अधिक संख्या में ठूस-ठूस कर बिठाया गया है। जब अंदर तिल रखने

की भी जगह नहीं बची, तो वैन चालक ने कई मासूम बच्चों को गाड़ी की छत पर खतरनाक तरीके से बिठा दिया। ग्रामीण रास्तों और सड़कों पर दौड़ती इस वैन का अगर सफर के दौरान थोड़ा भी संतुलन बिगड़ता या अचानक ब्रेक मारना पड़ता, तो छत पर बैठे बच्चे सीधे नीचे गिर सकते थे। चंद रुपयों के लालच और स्कूल प्रशासन की इस घोर लापरवाही के कारण मासूमों की जिंदगी दांव पर लगी हुई थी। यह पूरी लापरवाही 'राखी मेमोरियल विद्या निकेतन जनता इंटर कॉलेज' की वैन में देखने को मिली है।

राहगीरों ने बनाया वीडियो, अभिभावकों में भारी

आक्रोश

सड़क पर चल रहे अन्य लोगों ने जब इस खौफनाक नजारे को देखा तो वो भी दंग रह गए। वैन की छत पर बैठे बच्चों को देखकर राहगीरों ने अपने मोबाइल फोन से इसका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया और इंटरनेट पर पोस्ट कर दिया। वीडियो वायरल होते ही इलाके में सनसनी फैल गई और बच्चों के माता-पिता (अभिभावकों) में स्कूल प्रबंधन के खिलाफ भारी गुस्सा देखा जा रहा है।

स्थानीय लोगों और परिजनों ने बिजनौर पुलिस और परिवहन विभाग (RTO) से इस वायरल वीडियो का तत्काल संज्ञान लेने की गुहार लगाई है। लोगों की मांग है कि इस मौत की वैन का तुरंत भारी-भरकम चालान काटा जाए, गाड़ी को सीज किया जाए और बच्चों की जान से खिलवाड़ करने वाले स्कूल प्रशासन व ड्राइवर के खिलाफ सख्त कानूनी मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा जाए।

350 विद्यार्थियों ने श्री चित्रगुप्त धाम में मनाया पौधरोपण उत्सव, लिया संरक्षण संकल्प

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से श्री चित्रगुप्त धाम, सीताकुंड, सुल्तानपुर स्थित विनोद स्मृति वाटिका में राधा रानी कुँवर कृष्ण इंटर कॉलेज के लगभग 350 छात्र-छात्राओं ने पौधरोपण उत्सव मनाया। कार्यक्रम के अंतर्गत विनोद स्मृति वाटिका में विभिन्न प्रकार के डेकोरेटिव, पुष्पीय एवं सौंदर्यवर्धक पौधों का रोपण किया गया। साथ ही मंदिर परिसर के उत्तरी भाग में छायादार एवं फलदार वृक्षों का रोपण कर परिसर को अधिक हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आरती एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके पश्चात सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं श्री चित्रगुप्त धाम परिवार के सदस्यों ने सामूहिक रूप से विद्यार्थी पौध संरक्षण शपथ" ली और लगाए गए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल, सिंचाई एवं संरक्षण का संकल्प लिया।

प्रेम संबंध में युवक की धनकुट्टा से हमलाकर निर्मम हत्या, प्रेमिका के चचरे भाई सहित तीन पर आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। कैलादेवी के गांव कमालपुर में प्रेम-प्रसंग के चलते एक युवक की धनकुट्टा (धान कुटने वाला उपकरण) से हमला कर हत्या कर दी है। स्वजन ने तीन लोगों पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके पर पुलिस अधिकारी व गांव के लोगों की भीड़ रही।

गांव निवासी उदयवीर सिंह शादीशुदा था और उसका पांच माह का बच्चा भी है। वह खेतीबाड़ी करता था। लेकिन, उसका रजपुरा थाना क्षेत्र में बॉर्डर के एक गांव निवासी युवती से करीब पांच से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। युवती की भी एक-डेढ़ साल पहले शादी हो गई है। इसके बाद भी दोनों के बीच बातचीत बंद नहीं हुई। जबकि एक साल पहले दोनों पक्षों के बीच पंचायत भी हुई थी।

उदयवीर के पास आया था फोन

बताया गया है कि उदरवीय प्रेमिका के गांव के निवासी एक किसान के ट्यूबवेल से ही अपने खेत की सिंचाई करते थे, क्योंकि दोनों के खेत बराबर-बराबर हैं। इस क्रम में शनिवार की सुबह छह बजे ट्यूबवेल स्वामी का खेत की सिंचाई करने के लिए उदयवीर के पास फोन आया। फिर उदयवीर बाइक से खेत के लिए निकल गया।

उदयवीर की पिटाई सूचना स्वजन को दी

करीब दो घंटे बाद फिर ट्यूबवेल स्वामी का दोबारा फोन आया और उसने उदयवीर को पीटने की सूचना घर वालों को दी। मौके पर उदयवीर की बहन गीता पहुंची। गीता ने बताया कि उदयवीर की धनकुट्टा से हमला कर हत्या की गई है। आरोप लगाया है कि यह घटना युवती के चचेरे भाई, पिता और ट्यूबवेल स्वामी ने मिलकर की है।

घर के अंदर पंखे से लटका मिला युवक का शव

कुड़वार सुल्तानपुर। घर के अंदर कमरे में पंखे से साड़ी के सहारे युवक का शव लटका मिला।सूचना पर फील्ड यूनिट के साथ सीओ सिटी के निरीक्षण के बाद पुलिस ने विधिक कार्यवाही शुरू की। मामला बंधुआ कला थाना क्षेत्र के गोठवा मनियारी अलीगंज से जुड़ा हुआ है।जहां गांव निवासी अजय कुमार कोरी(27)पुत्र शिव कुमार कोरी का शव कमरे में अंदर पंखे से साड़ी के सहारे लटका मिला।सुबह जगे परिजनों को घटना की जानकारी हुई तो घर में कोहराम मच गया।सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने उच्च अधिकारियों सहित फील्ड यूनिट को सूचना दी।मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से नमूने एकत्रित किए।साथ ही सीओ सिटी राघवेंद्र सिंह ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया।मृतक युवक की डेढ़ साल पहले कमालपुर गांव निवासी तारा देवी के साथ शादी हुई थी। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

'मेरी नहीं तो किसी और की भी नहीं'... शादी से इनकार पर सिरफिरे आशिक ने लड़की को मारी गोली

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। यूपी के मेरठ जिले में एक दिल दहला देने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई है। शादी से इनकार करने पर एक तरफ प्यार में सिरफिरे आशिक ने एक लड़के को बीच सड़क पर गोली मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी ने कहा कि मेरी नहीं हो सकती तो किसी और की भी नहीं हो सकती। वारदात के दौरान आरोपी लगातार युवती पर शादी का दबाव बनाता रहा और उसके इनकार के बाद भी धमकी देता हुआ फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल लड़की का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर पुलिस आरोपी की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

घटना जिले के ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र की है। गुरुवार देर रात करीब 11 बजे 24 वर्षीय लड़की अपनी सहेली के साथ घर लौट रही थी।दोनों किसी

अन्य सहेली की बर्थडे पार्टी में गई थी। जैसे ही वह गणेशपुरी चौकी के पास अंजुम पैलेस के सामने पहुंचे, आरोपी कैफ उर्फ बल्लू ने दोनों को रोक लिया। वह लड़की पर पर शादी करने का दबाव बनाने लगा।

बताया जाता है कि लड़की ने शादी से इनकार इनकार करते ही आरोपी ने पिस्टल निकालकर फायरिंग शुरू कर दी। पहली गोली निशाने से चूक गई, लेकिन दूसरी गोली लड़की के कान के पास जा लगी। गोली लगते ही वह सड़क पर गिर पड़ी और दर्द से तड़पने लगी। मौके पर मौजूद लोगों को आता देख आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गया। जाते-जाते वह चिल्लाया कि अगर उससे शादी नहीं करेगी तो किसी और से भी उसकी शादी नहीं होने देगा। इसके बाद उसकी सहेली ने फोन पर पुलिस को पूरी घटना बताई। घायल को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

पहले से शादीशुदा है आरोपी

पीड़िता की सहेली ने पुलिस को बताया कि आरोपी कैफ उर्फ बल्लू पहले से शादीशुदा है। इसके बावजूद वह लंबे समय से उस पर शादी का दबाव बना रहा था और उसका पीछा करता था। बदनामी के डर से पीड़िता ने पहले कभी पुलिस में शिकायत नहीं की, लेकिन आरोपी की सनक आखिरकार जानलेवा हमले तक पहुंच गई। पीड़िता के पिता की शिकायत पर ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने कैफ उर्फ बल्लू के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। प्रारंभिक जांच में मामला एकतरफा प्रेम और शादी के लिए दबाव बनाने का सामने आया है।

साइंटिस्ट राहुल सिंह मौत मामले में नया मोड़, नोएडा के उद्योगपति और उनके 3 बच्चों पर लगे गंभीर आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर स्थित मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (MMMUT) के युवा वैज्ञानिक एवं ड्रोन डिजाइन इनोवेटर राहुल सिंह की संदिग्ध मौत का मामला अब गंभीर कानूनी मोड़ पर पहुंच गया है। राहुल के भाई रोहित सिंह की तहरीर पर लखनऊ के विभूतिखंड थाने में नोएडा के उद्योगपति चंद्रभूषण मिश्रा और उनके दो बेटों व एक बेटी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने (BNS की संबंधित धारा) का मुकदमा दर्ज किया गया है। परिजनों का आरोप है कि उद्योगपति और उनके बच्चों द्वारा लगातार मानसिक प्रताड़ना, धमकियां और आर्थिक दबाव बनाए जाने से परेशान होकर राहुल ने आत्मघाती कदम उठाया।

महराजगंज जिले के सिसवा बाजार क्षेत्र के छपरा गांव निवासी राहुल सिंह गोरखपुर के मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में रिसर्च कर रहे थे और ड्रोन तकनीक पर काम कर रहे थे। उनका शव मंगलवार को लखनऊ के गोमतीनगर स्थित एक होटल के कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था।

FIR के अनुसार, राहुल की मुलाकात वर्ष 2025 में दिल्ली में आयोजित एक प्रदर्शनी के दौरान नोएडा निवासी उद्योगपति चंद्रभूषण मिश्रा से हुई थी। इसके बाद उद्योगपति उन्हें अपने घर ले गए और कथित तौर पर अपने तीन बच्चों को ड्रोन प्रोजेक्ट से जोड़ने का प्रस्ताव दिया। परिजनों का आरोप है कि उद्योगपति चाहते थे कि राहुल अत्याधुनिक ड्रोन तैयार करें, लेकिन उसका पेटेंट उनके बच्चों के नाम से कराया जाए। इसके लिए करीब 85 लाख रुपये का सौदा तय हुआ। राहुल के खाते में लगभग 62 लाख रुपये ट्रांसफर किए गए, जबकि शेष 23 लाख रुपये बाद में देने की बात कही गई।

प्रोजेक्ट और तकनीक हड़पने का आरोप

रोहित सिंह का आरोप है कि राहुल अपनी तकनीकी जानकारी केवल पेन ड्राइव के माध्यम से दिखाना चाहते थे, लेकिन उद्योगपति पक्ष ने कथित तौर पर प्रोजेक्ट की प्रस्तुति और अन्य सामग्री WhatsApp के जरिए हासिल कर ली। विरोध करने पर राहुल को धमकियां दी गईं और बाद में उन्हीं पर रुपये लौटाने का दबाव बनाया जाने लगा। FIR में यह भी आरोप लगाया गया है कि उद्योगपति ने पहले दिए गए मोबाइल फोन की कीमत वापस मांगी और फरवरी 2026 में कुछ लोगों के साथ राहुल के घर पहुंचकर अभद्रता की। व्हाट्सएप कॉल के जरिए अपहरण और गोली मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।

पहले भी दर्ज कराया था मुकदमा

परिजनों के मुताबिक, उद्योगपति ने जनवरी 2026 में बस्ती नगर थाने में राहुल के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का मुकदमा भी दर्ज कराया था। इसके बाद से राहुल लगातार मानसिक तनाव में थे। राहुल का पोस्टमार्टम डॉक्टरों और फॉरेंसिक विशेषज्ञों के पैनल की निगरानी में वीडियोग्राफी के साथ कराया गया। पोस्टमार्टम में मौत का स्पष्ट कारण सामने नहीं आने पर हार्ट और विसरा सुरक्षित रख लिया गया है। अब पुलिस को फॉरेंसिक और विसरा रिपोर्ट का इंतजार है, जिसके बाद मौत के कारण पर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पुलिस क्या बोली?

हजरतगंज की एसीपी सौम्या पांडेय ने बताया कि राहुल सिंह के भाई की तहरीर पर उद्योगपति चंद्रभूषण मिश्रा, उनके दो बेटों और एक बेटी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। उपलब्ध साक्ष्यों और विवेचना के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी तालाब, चरागाह और खलिहान भूमाफियाओं के कब्जे में

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील में सरकारी आरक्षित भूमि, तालाब, झील, चरागाह और खलिहानों को भूमाफियाओं के कब्जे से मुक्त कराना नए उपजिलाधिकारी प्रभात सिंह और नवागत तहसीलदार के सामने सबसे बड़ी प्रशासनिक चुनौती बनकर उभरा है। एक ओर सरकार और न्यायालय सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए लगातार निर्देश जारी कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर तहसील क्षेत्र में वर्षों से चले आ रहे अवैध कब्जे प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं।

जानकारों के अनुसार (1359 फसली) वर्ष 1952 के राजस्व अभिलेखों में बल्दीराय तहसील में 1978 तालाब, झील और अन्य जलस्रोत दर्ज हैं। आरोप है कि इनमें से बड़ी संख्या में जलाशयों के रकबे पर कब्जा कर उनकी प्रकृति(नवैयत) ही बदल दी गई। कहीं खेती हो रही है तो कहीं पक्के निर्माण तक हो गए हैं। यही स्थिति कई चरागाहों और सार्वजनिक खलिहानों की भी बताई जा रही है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत होने पर मौके पर प्रभावी कार्रवाई के बजाय भ्रष्टकर्मियों द्वारा कागजी जांच कर औपचारिक फर्जी व भ्रामक रिपोर्ट भेज दी जाती है। जिससे उच्च अधिकारियों तक वास्तविक स्थिति नहीं पहुंच पाती और कथित कब्जेदारों को अप्रत्यक्ष संरक्षण मिल जाता है। सरकारी भूमि की सुरक्षा की पहली जिम्मेदारी राजस्व अमले, विशेषकर लेखपाल और कानूनगो पर होती है, लेकिन शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई न होने से ग्रामीणों में असंतोष बढ़ रहा है। तहसील क्षेत्र में आम और कमजोर वर्ग के लोगों का कहना है कि उन्हें न्याय पाने के लिए छोटे से छोटे कामों के लिए भी तहसील के चक्कर लगाने पड़ते हैं और उन्हें कई चने चबाने जैसी कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है।

स्टडी: बढ़ती रात की गर्मी छीन रही लोगों की नींद

हाल के वर्षों में रात का तापमान लगातार बढ़ रहा है। इसका असर अब लोगों की नींद पर भी दिखने लगा है। एक नई स्टडी में बढ़ती रात की गर्मी और कम होती नींद के बीच संबंध सामने आया है। आइए जानते हैं इस रिसर्च में क्या खुलासा हुआ है।

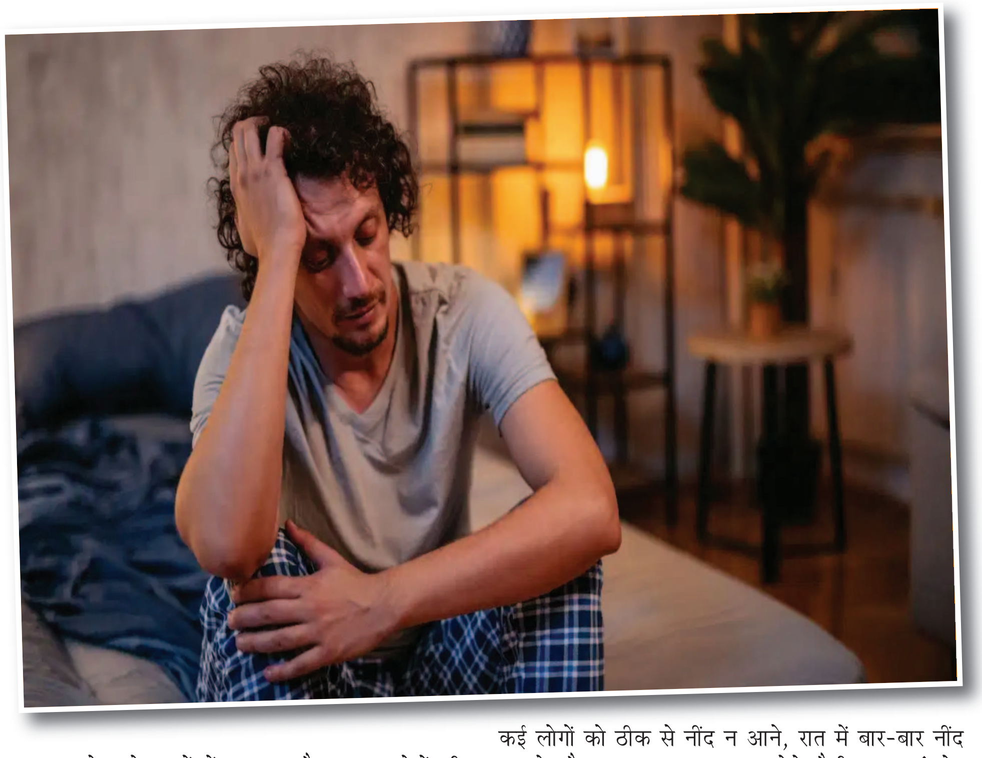

भारत के बड़े शहरों में बदलता मौसम अब लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर असर डाल रहा है। पिछले कुछ वर्षों में रात की गर्मी भी लगातार बढ़ी है। इसकी वजह से कई लोगों को ठीक से नींद न आने, रात में बार-बार नींद खुलने और सुबह थकान महसूस होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। अच्छी नींद शरीर और दिमाग दोनों के लिए जरूरी होती है। अगर रात में मौसम ज्यादा गर्म हो, तो आरामदायक नींद लेना मुश्किल हो सकता है। यही वजह है कि रात की बढ़ती गर्मी और नींद के बीच संबंध को लेकर दुनियाभर में कई स्टडी की जा रही हैं।

हाल ही में Climate Central ने 2020 से 2025 के बीच दुनिया के 1,300 से ज्यादा शहरों और भारत के 100 से अधिक शहरों के आंकड़ों का एनालिसिस किया है। इस स्टडी में भारत के कई बड़े शहरों को भी शामिल किया गया है। इसमें यह समझने की कोशिश की गई है कि रात का बढ़ता तापमान लोगों की नींद को किस तरह प्रभावित कर रहा है। आइए जानते हैं कि इस स्टडी में क्या सामने आया है और भारत के बड़े शहरों को लेकर क्या जानकारी दी गई है।

Climate Central की

स्टडी में क्या सामने आया?

Climate Central की स्टडी के अनुसार, 2020 से 2025 के बीच किए गए एनालिसिस में दुनिया के 1,300 से ज्यादा शहरों और भारत के 100 से अधिक शहरों को शामिल किया गया। इसमें पता चला कि बढ़ते तापमान का असर लोगों की नींद पर भी पड़ रहा है। भारत में चेन्नई सबसे ज्यादा प्रभावित शहर रहा, जहां हर साल करीब 93 घंटे की नींद कम होने का अनुमान है। इसके बाद मुंबई (84 घंटे), कोलकाता (80 घंटे), अहमदाबाद (78 घंटे), हैदराबाद (75 घंटे), बेंगलुरु (67 घंटे), दिल्ली (66 घंटे) और पुणे (65 घंटे) का स्थान रहा

स्टडी में यह भी बताया गया है कि इन शहरों में हर साल नींद कम होने के कुल समय में करीब 5 से 8 घंटे की कमी क्लाइमेट चेंज की वजह से बढ़े रात के तापमान से जुड़ी हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलते मौसम का एक ऐसा असर है, जिस पर ध्यान देना जरूरी है।

गर्म रातें नींद को कैसे करती हैं प्रभावित?

Climate Central के मुताबिक, अच्छी नींद के लिए शरीर का तापमान स्वाभाविक रूप से थोड़ा कम होना जरूरी होता है। लेकिन जब रात में भी गर्मी बनी रहती है, तो शरीर को ठंडा होने में दिक्कत हो सकती है। इससे जल्दी नींद आने में परेशानी हो सकती है या रात में बार-बार नींद खुल सकती है। लगातार अच्छी नींद न मिलने से थकान, चिड़चिड़ापन, ध्यान लगाने में परेशानी और काम करने की क्षमता पर असर पड़ सकता है।

स्टडी में यह भी बताया गया है कि लंबे समय तक नींद की कमी रहने से हार्ट और नसों से जुड़ी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा, दिनभर नींद आना, काम के दौरान गलतियां होना और सड़क दुर्घटनाओं का जोखिम भी बढ़ सकता है। इसलिए पर्याप्त और अच्छी नींद लेना सेहत के लिए बेहद जरूरी माना जाता है।

अच्छी नींद के लिए किन बातों का रखें ध्यान?

अच्छी नींद के लिए कमरे को जितना हो सके ठंडा और आरामदायक रखें। सोने से पहले भारी भोजन, कैफीन और मोबाइल या लैपटॉप का ज्यादा इस्तेमाल करने से बचें। रोजाना एक ही समय पर सोने और उठने की आदत बनाएं। हल्के और ढीले कपड़े पहनें और शरीर में पानी की कमी न होने दें।

अगर मौसम ज्यादा गर्म हो, तो कमरे में हवा आने का इंतजाम करें या पंखे और एसी का सही तरीके से इस्तेमाल करें। दिन में नियमित शारीरिक एक्टिविटी करने से भी रात में अच्छी नींद आने में मदद मिल सकती है। अगर लंबे समय तक नींद न आने, बार-बार नींद टूटने या दिनभर थकान रहने की समस्या बनी रहे, तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है।

वजन घटाने के लिए कोशिशें की, फिर भी नहीं हुआ कुछ? हो सकती हैं ये गलतियां

वजन घटाने के लिए लोग कई तरीके अपनाते हैं, लेकिन हर बार सफल नहीं हो पाते। अगर बार-बार खानपान में बदलाव और व्यायाम करने के बाद भी वजन कम नहीं हो रहा है तो इसके पीछे कुछ गलतियां हो सकती हैं। अक्सर लोग बिना सोचे-समझे वजन घटाने के लिए कई चीजें आजमा लेते हैं, लेकिन गलत तरीके से अपनाए गए ये तरीके और गलतियां वजन घटाने की प्रक्रिया को धीमा कर सकते हैं। आइए इन गलतियों के बारे में जानें।

पानी का कम सेवन

वजन घटाने के लिए खानपान में बदलाव के साथ-साथ पानी का भरपूर सेवन करना भी जरूरी है। पानी पाचन को ठीक रखने के साथ-साथ वजन घटाने में भी मदद कर सकता है।

इसके अलावा पानी शरीर से हानिकारक तत्वों को बाहर निकालकर भी वजन घटाने में मदद कर सकता है।

लाभ के लिए दिनभर में 8-10 गिलास पानी का सेवन जरूर करें। इसके साथ ही नारियल पानी, नींबू पानी और फलों का रस भी पिएं।

पर्याप्त नींद न लेना

अगर आप वजन घटाने के लिए काफी मेहनत करने के बावजूद वजन नहीं घटा पा रहे हैं तो इसका कारण पर्याप्त नींद न लेना हो सकता है।

दरअसल, अगर आप रोजाना 7 से 8 घंटे की नींद नहीं लेते हैं तो इससे आपका वजन बढ़ सकता है।

इसके अलावा नींद की कमी से तनाव और थकान जैसी कई परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। इसलिए वजन घटाने के लिए पूरी नींद लेना जरूरी है।

सुबह का नाश्ता छोड़ना

अगर आप वजन घटाने के चक्कर में सुबह का नाश्ता छोड़ देते हैं तो यह आपकी सबसे बड़ी गलती हो सकती है।

सुबह का नाश्ता न छोड़ें क्योंकि यह दिन का सबसे अहम और पहला भोजन होता है। सुबह का नाश्ता न करने से शरीर की ऊर्जा कम हो जाती है और इससे वजन घटाने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है।

अगर आप सुबह का नाश्ता नहीं करते हैं तो इससे शरीर की ऊर्जा भी कम हो जाती है।

ज्यादा शारीरिक गतिविधि न करना

अगर आप वजन घटाने के लिए खानपान में बदलाव के साथ-साथ व्यायाम को भी शामिल नहीं कर रहे हैं तो आपका वजन नहीं घट सकता।

अगर आप वजन घटाने के लिए खानपान में बदलाव के साथ-साथ व्यायाम को शामिल नहीं करते हैं तो आपको मनचाहा परिणाम नहीं मिल सकता। रोजाना कम से कम आधा घंटा किसी भी तरह की शारीरिक गतिविधि करना जरूरी है।

इसके अलावा आप चाहें तो योग और टहलने को भी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं।

तनाव लेना

तनाव लेने से न केवल वजन बढ़ता है, बल्कि इससे कई तरह की बीमारियां भी हो सकती हैं। ऐसे में वजन घटाने के लिए तनाव से दूर रहना जरूरी है।

तनाव से दूर रहने के लिए आप ध्यान और गहरी सांस लेने की प्रक्रिया को अपना सकते हैं।

इसके अलावा आप चाहें तो अपनी पसंदीदा गतिविधि या फिर अपने पसंदीदा गाने सुन सकते हैं। इससे आपका मन हल्का होगा और आप तनावमुक्त रहेंगे।

क्या आपका गुस्सा आपको अस्वस्थ कर रहा है? जानें 5 संकेत

गुस्सा एक सामान्य मानवीय भावना है, लेकिन जब यह अस्वस्थ रूप ले लेता है तो कई समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे संकेत बताएंगे, जो यह दर्शाते हैं कि आपका गुस्सा अस्वस्थ हो रहा है और आपको मदद की जरूरत है। इन संकेतों को पहचानकर आप समय रहते अपनी स्थिति को सुधार सकते हैं और एक संतुलित जीवन जी सकते हैं।

लगातार गुस्सा आना

अगर आपको बार-बार या लगातार गुस्सा आता है तो यह एक अहम संकेत हो सकता है कि आपका गुस्सा अस्वस्थ हो रहा है।

इस स्थिति में आप छोटी-छोटी बातों पर भी ज्यादा प्रतिक्रिया देने लगते हैं और इससे आपके रिश्ते पर बुरा असर पड़ सकता है।

अगर आप खुद को इस स्थिति में पाते हैं तो आपको किसी विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए ताकि आप अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से समझ सकें और नियंत्रित कर सकें।

दूसरों पर चिल्लाना या अपशब्द कहना

अगर आप दूसरों पर चिल्लाते हैं या अपशब्द कहते हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपका गुस्सा अस्वस्थ हो रहा है।

इस तरह का व्यवहार न केवल आपके रिश्तों को नुकसान पहुंचा सकता है बल्कि समाज में आपकी छवि भी खराब कर सकता है।

अगर आप खुद को इस स्थिति में पाते हैं तो आपको अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने के लिए उपाय खोजने चाहिए और शांत रहने की कोशिश करनी चाहिए।

खुद को नुकसान पहुंचाना

अगर आप अपने गुस्से को नियंत्रित नहीं कर पाते और खुद को नुकसान पहुंचाते हैं तो यह बहुत गंभीर स्थिति है।

इससे न केवल आपका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है।

खुद को नुकसान पहुंचाने वाले व्यवहार को तुरंत पहचानना जरूरी है और इसके लिए आपको किसी पेशेवर मदद की जरूरत पड़ सकती है ताकि आप सही दिशा में जा सकें और अपनी स्थिति को सुधार सकें।

नींद न आना या ज्यादा नींद आना

गुस्से के कारण नींद पर भी असर पड़ सकता है। अगर आपको रात में सोने में दिक्कत होती है या जरूरत से ज्यादा नींद आती है तो यह आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है।

इस स्थिति में आपको अपने दिनचर्या में बदलाव लाने की जरूरत पड़ सकती है ताकि आप अपने गुस्से को बेहतर तरीके से समझ सकें और नियंत्रित कर सकें। सही समय पर मदद लेना भी जरूरी हो सकता है।

आत्म-सम्मान में कमी आना

अगर आपका आत्म-सम्मान कम होता जा रहा है और आप खुद को नीचा समझते हैं तो यह भी अस्वस्थ गुस्से का संकेत हो सकता है। इससे न केवल आपकी मानसिक स्थिति बिगड़ती है बल्कि आपके रिश्तों पर भी बुरा असर पड़ता है।

इस स्थिति में आपको अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से समझना होगा और उन्हें नियंत्रित करने के उपाय खोजने होंगे ताकि आप एक संतुलित जीवन जी सकें।

सिएट को बड़ा झटका, पहली तिमाही के खराब नतीजों के बाद शेयर में भारी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। टायर निर्माता कंपनी सिएट के शेयर शुक्रवार को सुबह के सत्र में 9 प्रतिशत से अधिक फिसल गए। इसकी वजह अपनी की ओर से वित्त वर्ष 27 जून तिमाही में उच्च परिचालन लागत के कारण कमजोर नतीजे पेश करना है।

बाजार खुलने के साथ सिएट का शेयर शुरुआती कारोबार में ही पिछली क्लोजिंग 3,829.60 रुपए के मुकाबले 9.3 प्रतिशत फिसलकर 3,471.10 रुपए पर पहुंच गया।

फिलहाल सुबह 10:47 पर यह 7.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,548 रुपए पर था।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर 96 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की। कंपनी का मुनाफा घटकर 4 करोड़ रुपए रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 112 करोड़ रुपए था।

हालांकि, परिचालन से राजस्व सालाना आधार पर 22.4 प्रतिशत बढ़कर 4,318 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 3,529 करोड़ रुपए था। यह विभिन्न कारोबारी क्षेत्रों में मजबूत मांग को दर्शाता है।

कंपनी के अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे माल की लागत बढ़ने से उसके मुनाफे पर दबाव पड़ा।

कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अर्नब बनर्जी ने कहा कि इनपुट लागत में बढ़ोतरी के असर को आंशिक रूप से कम करने के लिए कंपनी ने चरणबद्ध तरीके से टायरों की कीमतें बढ़ाईं, जबकि मांग और बाजार हिस्सेदारी को भी बनाए रखा। उन्होंने कहा कि दूसरी तिमाही के दौरान भी कच्चे माल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी रहने की संभावना है।

कंपनी का परिचालन प्रदर्शन भी दबाव में रहा। एबिटा सालाना आधार पर 5.7 प्रतिशत घटकर 365 करोड़ रुपए रह गया, जो एक साल पहले 387 करोड़ रुपए था। वहीं, एबिटा मार्जिन घटकर 8.5 प्रतिशत रह गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 11 प्रतिशत था।

पिछले एक वर्ष में सिएट के शेयरों में करीब 8 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिससे इसका प्रदर्शन व्यापक बाजार की तुलना में कमजोर रहा। पिछले छह महीनों में शेयर 8 प्रतिशत से अधिक और इस वर्ष अब तक करीब 6 प्रतिशत टूट चुका है।

यूएएन पोर्टल पर तुरंत अपडेट करें प्रोफाइल फोटो, वर्ना फंस जाएगा पीएफ का पैसा और ई-नॉमिनेशन

ईपीएफओ ने अपने मेंबर्स से अनुरोध किया है कि वे ई-नॉमिनेशन और ऑनलाइन क्लेम का प्रोसेस पूरा करने के लिए यूनिफाइड मेंबर पोर्टल पर अपनी हालिया प्रोफाइल फोटो अपलोड करें। ताकि किसी तरह कर रुकावट का सामना ना करना पड़े। आइए इसे विस्तार से समझने की कोशिश करते हैं कि आखिर यह क्यों जरूरी है और इसे कैसे करना है?

ईपीएफओ (एम्प्लॉईज प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन) मेंबर्स को e-नॉमिनेशन पूरा करने और ऑनलाइन क्लेम सेटलमेंट को आसान बनाने के लिए यूनिफाइड मेंबर पोर्टल पर अपनी हाल की प्रोफाइल फोटो अपलोड करनी होगी। प्रोफाइल फोटो किसी व्यक्ति के डिजिटल रिकॉर्ड का हिस्सा होती है और ऑनलाइन वेरिफिकेशन प्रोसेस के दौरान इसका इस्तेमाल किया जाता है।

हालांकि सभी ईपीएफओ ट्रांजैक्शन के लिए प्रोफाइल फोटो अपलोड करना जरूरी नहीं है, लेकिन जिन लोगों ने अपनी फोटो अपलोड या अपडेट नहीं की है, उन्हें e-नॉमिनेशन पूरा करने या कुछ दूसरी ऑनलाइन ईपीएफओ सर्विसेज का फायदा उठाने में मुश्किल हो सकती है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर ईपीएफओ की ओर से किस तरह का अलर्ट जारी किया गया है।

प्रोफाइल फोटो अपडेट करना क्यों जरूरी है?

मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, ईपीएफओने मेंबर्स को सलाह दी है कि वे e-नॉमिनेशन प्रोसेस पूरा करने के लिए अपनी प्रोफाइल पर हाल की पासपोर्ट-साइज फ़ोटो अपलोड करें।

एक सही नॉमिनेशन यह पक्का करने में मदद करता है कि डिपॉजिट ईपीएफ बैलेंस, साथ ही एम्प्लॉईज पेंशन स्कीम (EPS) और एम्प्लॉईज डिपॉजिट लिंक्ड इंश्योरेंस (EDLI) के तहत मिलने वाले फायदे, सही लाभार्थी को आसानी से ट्रांसफर हो जाएं।

अगर अकाउंट होल्डर नॉमिनी नहीं चुनता है, तो पैसे का क्लेम करते समय उनके परिवार के मेंबर्स को देरी का सामना करना पड़ सकता है और ज्यादा पेपर वर्क की ज़रूरत पड़ सकती है। EPF e-नॉमिनेशन को मान्य बनाने के लिए, मेंबर्स को e-साइन प्रोसेस भी पूरा करना होगा।

इसके अलावा, सही पर्सनल जानकारी (प्रोफाइल फोटो सहित) के साथ अपडेटेड प्रोफाइल बनाए रखने से यह पक्का होता है कि मेंबर बिना किसी रुकावट के अलग-अलग ऑनलाइन EPFO सर्वीज का इस्तेमाल कर सकें।

कैसे अपडेट करें प्रोफाइल फोटो?

अगर आपके ईपीएफ अकाउंट में आपकी लेटेस्ट फोटो अपलोड नहीं है, तो आप इन स्टेप्स को फॉलो करके अपनी प्रोफाइल फोटो अपडेट कर सकते हैं:

EPFO यूनिफाइड मेंबर पोर्टल पर जाएं और अपने यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (UAN), पासवर्ड और कैप्चा का इस्तेमाल करके लॉग इन करें।

डैशबोर्ड पर जाएं और फिर 'प्रोफाइल' या 'व्यू' सेक्शन पर क्लिक करें (आपके पोर्टल के वर्जन पर जो भी ऑप्शन दिखे)।

अपनी प्रोफाइल फोटो अपलोड या अपडेट करने का ऑप्शन चुनें।

अपनी हाल की पासपोर्ट-साइज फोटो अपलोड करें और बदलावों को सेव करें।

e-नॉमिनेशन या PF के लिए ऑनलाइन क्लेम फाइल करने से पहले यह पक्का कर लें कि अपडेटेड फोटो आपकी प्रोफाइल पर सही ढंग से दिख रही है।

ईपीएफ नॉमिनेशन: कौन योग्य है और कौन नहीं?

हर कोई आपके ईपीएफ फंड के लिए नॉमिनी चुने जाने के योग्य नहीं होता है। ईपीएफओ ने कुछ खास लोगों के बारे में बताया है जिन्हें नॉमिनी के तौर पर चुना जा सकता है। इनमें ये शामिल हैं:

पुरुष सब्सक्राइबर्स के लिए, योग्य नॉमिनी में पत्नी, बच्चे (शादीशुदा और अविवाहित), आश्रित माता-पिता, और बेटे की विधवा व उसके बच्चे शामिल हैं।

महिला सब्सक्राइबर्स के लिए, योग्य नॉमिनी में पति, बच्चे (शादीशुदा या अविवाहित), आश्रित माता-पिता, पति के आश्रित माता-पिता और बेटे की विधवा व उसके बच्चे शामिल हैं।

शादीशुदा सब्सक्राइबर्स को अपने जीवनसाथी (पति/पत्नी) का नाम जोड़ना जरूरी है, भले ही वे PF के तहत उन्हें नॉमिनी न बनाना चाहें।

पेंशन फंड के लिए जीवनसाथी और बच्चों को परिवार माना जाता है। इसलिए, उनके नाम परिवार की सूची में जोड़े जाने चाहिए।

एक बार जब आप अपना EPF नॉमिनी चुन लेते हैं, तो आपको उस परिवार के मेंबर की आधार कॉपी और एक फोटो जमा करनी होगी।

और किन बातों का ध्यान रखें?

अपने हालिया प्रोफाइल फ़ोटो को अपलोड करना ईपीएफओ अकाउंट को अपडेट रखने का सिर्फ एक हिस्सा है। इसके अलावा, मेंबर्स को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका आधार, PAN, बैंक अकाउंट की जानकारी, मोबाइल नंबर और ईमेल एड्रेस EPFO पोर्टल पर सही ढंग से लिंक और वेरिफाई हों।

इन जानकारियों को अपडेट रखने से मेंबर्स को रिटायरमेंट फंड बॉडी की डिजिटल सर्विसेज – जैसे ई-नॉमिनेशन, ऑनलाइन PF विड्रॉल और पेंशन से जुड़ी सेवाओं – का आसानी से लाभ उठाने में मदद मिलती है और क्लेम प्रोसेस तेजी से होता है।

कनाडा की वजह से जहरीली हुई अमेरिका की हवा! ट्रंप ने दी टैरिफ बढ़ाने की धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के खिलाफ अपने टैरिफ कैंपेन में अब जंगलों की आग का मुद्दा भी जोड़ दिया है। ट्रंप ने आरोप लगाया है कि कनाडा अपने जंगलों की ठीक से देखभाल नहीं कर रहा है, जिसकी वजह से वहां लगी आग का धुआं अमेरिका के कई राज्यों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रदूषण से अमेरिका को हो रहे नुकसान की कीमत कनाडा को चुकानी होगी और इसे पहले से लगे टैरिफ में जोड़ दिया जाएगा।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि कनाडा अपने जंगलों और झाड़ियों की सफाई तथा रखरखाव ठीक से नहीं कर रहा है। इसी कारण गंदी, प्रदूषित और स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हवा अमेरिका में फैल रही है। उन्होंने कहा कि यह हवा लोगों के लिए नुकसानदायक है और इसे बिल्कुल स्वीकार नहीं किया जा सकता।

ट्रंप ने बताया कि वह इसी मुद्दे पर कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से बात करेंगे। उन्होंने कहा कि वह जानना चाहते हैं कि कनाडा सरकार जंगलों की आग रोकने के लिए क्या कदम उठा रही है। ट्रंप के मुताबिक, इस धुएं से अमेरिका को होने वाला आर्थिक नुकसान अकल्पनीय है। उन्होंने कनाडा पर जानबूझकर लापरवाही का आरोप भी लगाया। ट्रंप का कहना है कि हर साल यही समस्या दोहराई जाती है और इसका बोझ अमेरिकी नागरिकों को उठाना पड़ता है। इसलिए कनाडा से आने वाले सामान पर पहले से लगाए गए टैरिफ में इस प्रदूषण की लागत भी जोड़ दी जाएगी।

कनाडा में 850 जंगल आग की चपेट में

ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब कनाडा में करीब 850 जंगलों में आग लगी हुई है। इनमें 180 से ज्यादा आग केवल ओंटारियो प्रांत में जल रही हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा (NASA) के अनुसार, इन आग से उठने वाला धुआं उत्तरी अमेरिका के बड़े हिस्से में फैल गया है। इस धुएं की वजह से अमेरिका के 20 से ज्यादा राज्यों में एयर क्वालिटी अलर्ट जारी किया गया है। अपर मिडवेस्ट से लेकर उत्तर-पूर्वी राज्यों तक कई इलाकों में लोगों को बाहर कम निकलने और ज्यादा शारीरिक गतिविधियां न करने की सलाह दी गई है। वजह यह है कि हवा में मौजूद बेहद महीन प्रदूषित कण स्वास्थ्य के लिए असुरक्षित स्तर तक पहुंच गए हैं। हालांकि आग की समस्या सिर्फ कनाडा तक सीमित नहीं है। अमेरिका में भी 150 से ज्यादा जंगलों में आग लगी हुई है, जिनमें मिशिगन के कई इलाके शामिल हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि लंबे समय से पड़ रहा सूखा और उत्तरी अमेरिका के कई हिस्सों में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी जंगलों की आग तेजी से फैलने की सबसे बड़ी वजह है।

कैसे लागू होगा एक्स्ट्रा टैरिफ

हालांकि ट्रंप ने कनाडा पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की धमकी दी है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि ऐसा किस कानून के तहत किया जाएगा। आमतौर पर टैरिफ आयात किए गए सामान पर लगाया जाता है, जबकि सीमा पार फैलने वाले धुएं या वायु प्रदूषण पर टैरिफ लगाने का कोई स्पष्ट कानूनी प्रावधान नहीं है। इसलिए यह साफ नहीं है कि ट्रंप अपने इस प्रस्ताव को व्यवहार में कैसे लागू करेंगे।

गाजा में जनाजे पर इजराइल ने किया हमला, 7 लोगों की मौत, 22 घायल

तेल अवीव, एजेंसी। गाजा पट्टी में एक अंतिम यात्रा को निशाना बनाकर किए गए इजराइली हमले में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए। इजराइली सेना की ओर से इस मामले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है। नुसेरात शरणार्थी शिविर स्थित अवदा अस्पताल ने हताहतों की संख्या की पुष्टि करते हुए कहा कि पहले शुक्रवार को हुए हमले में मारे गए एक फिलिस्तीनी व्यक्ति के अंतिम यात्रा के दौरान लोगों को निशाना बनाया गया।

इजराइल और हमास के बीच अक्टूबर में युद्ध रोकने के लिए संघर्षविराम समझौता हुआ था। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, संघर्षविराम लागू होने के बाद से अब तक 1,123 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। हमास के नेतृत्व वाली सरकार के तहत काम करने वाला स्वास्थ्य मंत्रालय हताहतों का विस्तृत रिकॉर्ड रखता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां और स्वतंत्र विशेषज्ञ आमतौर पर विश्वसनीय मानते हैं। इसके रिकॉर्ड के मुताबिक, मारे गए लोगों में महिलाओं और बच्चों की संख्या सबसे अधिक है। उग्रवादियों ने सैनिकों को निशाना बनाकर गोलीबारी किए हैं। इजराइल का कहना है कि उसके हमले इन कार्रवाइयों तथा संघर्ष विराम के अन्य उल्लंघनों के जवाब में किए गए। इजराइल के अनुसार, संघर्ष विराम लागू होने के बाद से अब तक पांच इजराइली सैनिक मारे जा चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र की एक स्वतंत्र जांच में गंभीर आरोप लगाए गए हैं कि गाजा में फिलिस्तीनी बच्चों को जानबूझकर निशाना बनाया गया। दूसरी ओर, इजराइल का कहना है कि हमास और अन्य सशस्त्र समूहों द्वारा सैनिकों पर किए गए हमलों और युद्धविराम उल्लंघनों के जवाब में उसकी सैन्य कार्रवाई जारी है। इज़राइली अधिकारियों के अनुसार, युद्धविराम लागू होने के बाद से पांच इजराइली सैनिकों की भी मौत हुई है।

तीन साल से युद्ध जारी

बता दें, यह संघर्ष 7 अक्टूबर 2023 को शुरू हुआ था, जब हमास के नेतृत्व में दक्षिणी इजराइल पर हमला किया गया था। इजराइली आंकड़ों के अनुसार, उस हमले में लगभग 1200 लोग मारे गए थे और 251 लोगों को बंधक बना लिया गया था। वहीं, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का दावा है कि संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक 73 हजार से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें युद्धविराम के बाद मारे गए लोग भी शामिल हैं।

ट्रंप के पोस्ट सबसे पहले देखने की कीमत 86 लाख, ट्रेडिंग कंपनियों से कमाई का नया प्लान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सोशल मीडिया कंपनी ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप (TMTG) ने कमाई का नया तरीका निकाला है। कंपनी अब बैंकों, निवेश कंपनियों और वॉल स्ट्रीट की ट्रेडिंग फर्मों से ट्रंप के सोशल मीडिया पोस्ट सबसे पहले दिखाने के बदले मोटी रकम लेना चाहती है। मामले से जुड़े लोगों के मुताबिक, कंपनी ने हर महीने 1 लाख डॉलर (करीब 86 लाख रुपये) की फीस का प्रस्ताव दिया है। अगर कोई कंपनी तीन साल का समझौता करती है, तो उसे 60 हजार डॉलर (करीब 52 लाख रुपये) प्रति महीने की रियायती योजना भी दी जाएगी।

TMTG ने गुरुवार को 'Truth API' नाम की नई डेटा सर्विस शुरू करने का ऐलान किया। इसके जरिए बैंक और ट्रेडिंग कंपनियां ट्रुथ सोशल के 10 सबसे प्रभावशाली अकाउंट्स

के पोस्ट सबसे पहले और सबसे तेज देख सकेंगी। हालांकि कंपनी ने इसकी कीमत सार्वजनिक नहीं की है। यह पहली बार है जब TMTG डेटा लाइसेंसिंग के कारोबार में उतरी है। कंपनी का मानना है कि इससे उसकी कमाई बढ़ेगी। हालांकि इस योजना की घोषणा के बाद अमेरिका में राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। अमेरिका के डेमोक्रेटिक सीनेटर रॉन वाइडन ने आरोप लगाया कि इस योजना से ट्रंप परिवार को आर्थिक फायदा होगा और वॉल स्ट्रीट के बड़े ट्रेडर्स को भी इससे कमाई का मौका मिलेगा। वहीं, व्हाइट हाउस ने इस मामले में टिप्पणी करने से इनकार करते हुए सवाल TMTG की ओर भेज दिए। कंपनी ने भी इस पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

ट्रंप के सोशल मीडिया पोस्ट कई बार शेयर बाजार पर बड़ा असर डालते हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण 9 अप्रैल 2025 को देखने को मिला था। उस दिन ट्रंप ने Truth Social पर लिखा था कि वह अपने नए टैरिफ में से कई को 90 दिनों के लिए रोक रहे हैं। इस पोस्ट के कुछ ही देर बाद वॉल स्ट्रीट के प्रमुख शेयर में तेज उछाल आ गया था। एक्सपर्ट्स का कहना है कि हाई-फ्रीक्वेंसी ट्रेडिंग करने वाली कंपनियों के लिए कुछ मिलीसेकंड पहले जानकारी मिलना भी लाखों-करोड़ों रुपये का फायदा करा सकता है। इसलिए ऐसी कंपनियों के लिए यह सर्विस काफी अहम मानी जा रही है।

कंपनी ने बताया कि Truth API 1 अगस्त से शुरू होगी। इसमें 24 घंटे लगातार अपडेट मिलेंगे और 2022 से अब तक के पोस्ट का पूरा रिकॉर्ड भी उपलब्ध रहेगा। कंपनी का दावा है कि लॉन्च से पहले ही कुछ ग्राहकों ने इस सर्विस के लिए साइन अप कर लिया है, लेकिन उनके नाम नहीं बताए गए हैं। Truth Social पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले अकाउंट्स में डोनाल्ड ट्रंप, उनके बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर, एरिक ट्रंप, उनके समर्थक डैन बोंजिनो और सीन हैनिटी शामिल हैं।

Donald J। Trump Revocable Trust के पास TMTG के करीब 11.47 करोड़ शेयर हैं, जो कंपनी के कुल शेयरों का लगभग 41% है। इस ट्रस्ट का संचालन ट्रंप के बच्चे करते हैं, लेकिन इससे होने वाली कमाई ट्रंप के पास ही जाती है। इस योजना की कई विशेषज्ञों और नेताओं ने आलोचना की है। उनका कहना है कि इससे राष्ट्रपति पद का इस्तेमाल निजी कमाई के लिए किया जा सकता है। हालांकि कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा कानूनों के तहत यह साबित करना आसान नहीं होगा कि यह व्यवस्था गैरकानूनी है।

चीन में लैंडस्लाइड से भारी तबाही, मलबे में दबीं कई रिहायशी इमारतें, 8 लोगों की मौत, 34 लापता

बीजिंग, एजेंसी। चीन के साउथ वेस्ट शहर चोंगकिंग में शुक्रवार को हुए भूस्खलन (लैंडस्लाइड) में आठ लोगों की मौत हो गई और 34 अन्य लापता हो गए। इस हादसे में कई रिहायशी इमारतें मलबे में दब गईं और 1100 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, मलबे से 10 लोगों को जिंदा निकाला गया, जिनमें दो की हालत गंभीर है।

सरकारी प्रसारक 'सीसीटीवी' ने बताया कि स्थानीय समय के अनुसार सुबह करीब 9:08 बजे चोंगकिंग के पेंगशुई काउंटी में चट्टानें और मिट्टी पहाड़ी से नीचे खिसक गईं, जिससे 10 से अधिक रिहायशी इमारतें मलबे में दब गईं। भूस्खलन वाली जगह के एक किलोमीटर के दायरे में पानी, बिजली और गैस की आपूर्ति काट दी गई ताकि और कोई दिक्कत न हो। 800 से अधिक बचावकर्मी मौके पर मौजूद थे। प्रसारक के मुताबिक,

सीसीटीवी द्वारा जारी तस्वीरों में पहाड़ का एक हिस्सा रिहायशी इलाके पर गिरता हुआ दिखाई दिया। भूस्खलन स्थल के निकट कई इमारतें स्थित थीं, जबकि बचाव दल मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे रहे।

लैंडस्लाइड इतनी तेज थी कि कुछ लोग भाग नहीं सके और मलबे में फंस गए। चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने जांच के आदेश दिए हैं। शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार मलबे में फंसे 18 लोगों को बचाया गया है। भारी मात्रा में चट्टानें और मिट्टी की ढलान से नीचे आ गिरीं हैं। इससे 10 से ज्यादा रिहायशी इमारतें दब गईं।

लैंडस्लाइड वाली जगह से एक किलोमीटर तक बिजली, पानी और गैस की सप्लाई काट दी गई है। खंबे दब गए हैं। मलबे के नीचे दबे इलाके के पास कई इमारतें थीं। रेस्क्यू टीम मलबे की तलाशी ले रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स से मिली जानकारी के मुताबिक करीब 800 से ज्यादा बचावकर्मी लगे हैं। लगभग 5 और 15 मंजलि ऊंची दो इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं। इस इलाके में करीबन 8 हजार से ज्यादा राहत सामाग्री भेजी गई हैं इसमें टेंट, फोल्डिंग बेड और परिवारों को लिए इमरजेंसी किट शामिल है।

सोनम वांगचुक की हालत स्थिर पर कमजोरी अत्यधिक, सफदरजंग अस्पताल में डॉक्टरों की विशेष टीम तैनात, पत्नी ने जताई बड़ी चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। जंतर-मंतर पर 21 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे लद्दाख के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस द्वारा जबरन अस्पताल ले जाए जाने के बाद उनकी मेडिकल रिपोर्ट सामने आई है। सफदरजंग अस्पताल प्रशासन ने बयान जारी कर बताया है कि लंबे समय तक उपवास और डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) के कारण वांगचुक शारीरिक रूप से बेहद कमजोर हो गए हैं। अस्पताल के मुताबिक, ₹उन्हें सुबह 7:40 बजे आवश्यक इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। वर्तमान में उनकी हालत स्थिर है, लेकिन शरीर के महत्वपूर्ण पैरामीटर्स को सामान्य स्तर पर लाने के लिए उन्हें लगातार चिकित्सकीय निगरानी और उपचार की आवश्यकता है।₹ सफदरजंग अस्पताल में उनके इलाज और देखभाल के लिए दो डॉक्टरों और दो पैरामेडिक्स की एक विशेष टीम तैनात की गई है।

जांच के दौरान, डॉक्टर ने सोनम वांगचुक को सलाह दी कि बिगड़ती सेहत के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की ज़रूरत है। हालांकि, सोनम वांगचुक ने अस्पताल में भर्ती होने से इनकार कर दिया। उनकी बिगड़ती सेहत और RML अस्पताल के डॉक्टर की सलाह को देखते हुए, दिल्ली पुलिस सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से एम्बुलेंस के ज़रिए सफदरजंग अस्पताल ले गई।

इस बीच, सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. आंग्मो ने X पर एक पोस्ट में कहा, 'मैं दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हूं, जहां सोनम वांगचुक को भर्ती कराया गया है। मेरी, उनके परिवार और उन डॉक्टरों की सहमति के बिना उन्हें मुंह से या नस के ज़रिए कुछ भी न दिया जाए, जो पिछले 20 दिनों से उनकी सेहत की निगरानी कर रहे हैं।' सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर विरोध स्थल से सफदरजंग अस्पताल ले जाए जाने के बाद, कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष अभिजीत दिपके ने कहा, 'अगर उन्हें लगता है कि सोनम सर को दूर ले जाने से यह आंदोलन खत्म हो जाएगा, तो वे गलतफहमी में हैं। हम यहीं रहेंगे और 20 जुलाई को संसद तक मार्च करेंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'अब तक हम धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे, लेकिन इस शर्मनाक हरकत के बाद, अब हम नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग करेंगे।'

AAP के मनीष सिसोदिया ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'तो, पेपर लीक के लिए मोदी जी ने यही समाधान निकाला है... जो भी पेपर लीक के खिलाफ आवाज़ उठाए, उसे गुंडों से पिटवाओ और उन्हें आवाज़ ही न उठाने दो। यह राजनीति नहीं, कायरता है।'

NCP (SP) के अध्यक्ष शरद पवार ने एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के आंदोलन को संभालने के केंद्र के 'गैर-जिम्मेदाराना' तरीके की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार ने छात्रों की जायज़ मांगों को पूरा करने के बजाय सिर्फ़ तमाशबीन बने रहना पसंद किया। पवार ने कहा कि जब हालात 'बेकाबू' हो गए तो सरकार ने वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन एक्टिविस्ट के खिलाफ कार्रवाई के बावजूद विरोध-प्रदर्शन जारी रहेगा।

पहले शरद पवार की एनसीपी का विलय, फिर एनडीए में एंट्री... महाराष्ट्र के लिए बीजेपी का प्लान तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र में इन दिनों राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि शरद पवार की पार्टी एनसीपी एनडीए में शामिल हो सकती है। इन सब के बीच खबर आ रही है कि इसके लिए बीजेपी ने बड़ा प्लान बनाया है।

सूत्रों ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेताओं का हवाला देते हुए कहा कि नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के शरद पवार गुट का नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के साथ आधिकारिक तौर पर जुड़ने के लिए एनसीपी के दो विरोधी गुटों का फिर से एक होना जरूरी होगा। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी का मानना है कि एनसीपी को एनडीए के साथ करीबी रिश्ते बनाने पर तभी विचार किया जाएगा जब दोनों गुट अपने मतभेद सुलझा लेंगे और एक हो जाएंगे। सूत्रों का कहना है कि शरद पवार या उनके खास साथियों को अकेले गठबंधन में लाने की कोई खास इच्छा नहीं है। उधर, महाराष्ट्र में बीजेपी और एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना के साथ मिलकर सरकार चलाने वाली एनसीपी भी अपनी उम्मीदों को लेकर मुखर है। शुक्रवार को पार्टी ने कहा कि उसके कार्यकर्ता चाहते हैं कि अप्रैल में शपथ लेने वाले राज्यसभा सदस्य पार्थ पवार को भविष्य में होने वाले किसी भी कैबिनेट विस्तार के दौरान केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल किया जाए। यह नई अटकलें एनडीए सरकार की उस योजना के साथ सामने आई हैं, जिसके तहत सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पेश किया जाना है। इस विधेयक का मकसद लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करना और नए सिरे से परिसीमन की प्रक्रिया शुरू करना है। एनसीपी (एसपी) के पास लोकसभा में आठ और राज्यसभा में एक सीट है। सरकार के लिए उसका समर्थन या कम से कम उसका तटस्थ रहना अहम साबित हो सकता है। पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने इस हफ्ते की शुरुआत में कहा कि अगर प्रस्तावित परिसीमन सभी राज्यों में सीटों में एक समान 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी पर आधारित होता तो इसका विरोध करने का कोई खास कारण नहीं होता। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी फैसला इंडी गठबंधन के भीतर आपसी बातचीत के बाद ही लिया जाएगा और पार्टी ने समर्थन का कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया है। बुधवार देर रात महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सरकारी आवास पर एनसीपी के दोनों गुटों के नेताओं के बीच हुई बैठक के बाद राजनीतिक चर्चाओं ने और जोर पकड़ लिया। सूत्रों के अनुसार, बातचीत किसी पुनर्गठन रणनीति का हिस्सा होने के बजाय विशिष्ट मुद्दों पर केंद्रित थी।

सोनम वांगचुक नहीं, तो किससे प्रेरित है '3 इडियट्स' के रैंचो का किरदार? निर्देशक और लेखक ने बताई असली कहानी

राजकुमार हिरानी की कल्ट फिल्म '3 इडियट्स' में आमिर खान द्वारा निभाया गया रैंचो का किरदार कहां से आया? मौजूदा वक्त में ये एक बड़ा सवाल बन गया है। जानिए क्या है इस किरदार के पीछे की असल कहानी...

आज से लगभग 17 साल पहले रिलीज हुई आमिर खान की फिल्म '3 इडियट्स' इन दिनों एक बार फिर चर्चा में है। वजह है आमिर खान का एक बयान, जिसमें उन्होंने ये खुलासा किया कि रैंचो का उनका किरदार भारतीय वैज्ञानिक व एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से प्रेरित नहीं था।

हालांकि, अभी तक ये ही माना जाता था कि फिल्म में आमिर खान द्वारा निभाया गया रैंचो और फुंगशुंग वांगड़ू का किरदार असल में सोनम वांगचुक से प्रेरित है। अब आमिर के इस बात से इनकार करने के बाद सवाल ये ही उठता है कि आखिर फिर आमिर का रैंचो या फुंगशुंग वांगड़ू का किरदार आया कहां से और किससे प्रेरित है? जानिए इसके पीछे की कहानी।

फिल्म इंस्टीट्यूट के एक असल व्यक्ति से प्रेरित है किरदार

'3 इडियट्स' में आमिर खान के रैंचो के किरदार को लेकर कुछ साल पहले फिल्म के निर्देशक व सह-लेखक राजकुमार हिरानी ने एक इंटरव्यू में बातचीत की थी। इस दौरान राजू हिरानी ने बताया कि रैंचो का किरदार फिल्म इंस्टीट्यूट के एक असल किरदार से प्रेरित था।

एक पुराने इंटरव्यू में राजू हिरानी बताते हैं, 'आमिर खान का रैंचो का किरदार हमारे फिल्म इंस्टीट्यूट में ही एक ऐसा कैरेक्टर रहा है। वो एक ऐसे कैरेक्टर की कहानी है, जो फिल्ममेकर बनना चाहता था, लेकिन उसका एडमिशन फिल्म इंस्टीट्यूट में नहीं हुआ।

लेकिन दूसरा उसका दोस्त था, जिसका एडमिशन हो गया, पर उसका पिता जी नहीं माने। उन्होंने कहा कि तुम सिनेमा में नहीं जाओगे, बल्कि इंजीनियर बनोगे। तो जिस आदमी का एडमिशन नहीं हुआ था, वो अपने दोस्त की जगह उसके ही नाम से फिल्म इंस्टीट्यूट में पहुंच गया और वहां पढ़ने लगा।

उसके बारे में किसी को पता भी नहीं चला, जब वो पास हुआ, तब पता चला उसका नाम कुछ और है। जब लोगों ने कहा कि तुम्हें डिग्री तो मिलेगी नहीं, क्योंकि नाम उसका है। तो उसने कहा कि मैं यहां डिग्री लेने थोड़े न आया हूं, मैं तो सिनेमा सीखने आया था, वो सीख गया। तो ये किरादर यहां से आया है।'

फिल्म के लेखक ने भी कही थी ये बात

राजू हिरानी के अलावा फिल्म के लेखक अभिजात जोशी ने भी एक अन्य बातचीत में आमिर खान के किरदार के बारे में बताया था। जहां उन्होंने कहा था कि 1996 में वो अपनी दोस्त के जरिए एक व्यक्ति से मिले थे, जो साल 1975 में फिल्म इंस्टीट्यूट में किसी और नाम से था।

दरअसल, उसके गांव के किसी और व्यक्ति का एडमिशन फिल्म इंस्टीट्यूट में हुआ था, लेकिन उसने जाने से इनकार कर दिया। तब इस व्यक्ति ने उसका एडमिशन फॉर्म ले लिया और फिल्म इंस्टीट्यूट में उसके नाम से पढ़ने लगा।

उस वक्त आईडी वगैरह भी नहीं होती थी, तो किसी को पता ही नहीं चला। जब वो पास हुआ तब उसके साथ वालों को पता चला कि ये उसका असली नाम नहीं है।

17 साल बाद फिल्म के सीक्वल पर काम कर रहे राजू

राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित '3 इडियट्स' साल 2009 में रिलीज हुई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई और इसने उस समय कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए थे।

देखते-देखते ये फिल्म हिंदी सिनेमा की एक कल्ट फिल्म बन गई। इसमें आमिर खान के अलावा आर माधवन, शरमन जोशी, करीना कपूर, ओमी वैद्य और बोमन ईरानी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। लगभग 17 साल बाद अब राजकुमार हिरानी फिल्म के सीक्वल पर भी काम कर रहे हैं।

'श्रीराम भूमि' के पहले शेड्यूल की शूटिंग हुई पूरी, अनुपम खेर ने लिखा- 'मेरा एक हिस्सा अयोध्या में रह गया है'

अनुपम खेर फिल्म 'श्री रामभूमि' में नजर आएंगे। अनुपम ने सोशल मीडिया हैंडल पर अयोध्या से अपनी कई तस्वीरें साझा की हैं। अनुपम ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने 'श्री रामभूमि' के पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली है। इसी के साथ अनुपम ने अपना अनुभव भी साझा किया है।

अनुपम खेर ने अपनी आगामी फिल्म 'श्री रामभूमि' की शूटिंग को लेकर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। अनुपम ने लिखा, फिल्म 'श्रीराम भूमि' के पहले हिस्से की शूटिंग पूरी करके मैं अयोध्या से वापस लौट रहा हूं। लेकिन ऐसा लग रहा है, जैसे मेरा एक हिस्सा वहीं छूट गया है।'

अनुपम को है गर्व

अनुपम ने आगे लिखा, 'मैं अपने साथ सिर्फ अच्छी यादें ही नहीं, बल्कि सनातन धर्म की गहरी समझ, मन की शांति और इस बात का गर्व लेकर जा रहा हूं कि मैं एक ऐसी फिल्म से जुड़ा हूं, जो इतिहास और विश्वास को पूरी सच्चाई के साथ पर्दे पर दिखाएगी।'

अयोध्या को लेकर अनुपम की राय

अनुपम ने आगे लिखा, 'अयोध्या सिर्फ एक शहर नहीं है, बल्कि इसे महसूस किया जा सकता है। यहां की हर गली, मोड़, घर, मंदिर और हर सांस में बस एक ही नाम गूंजता है- 'श्रीराम'। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दर्शन, यहां के लोगों का प्यार और इस पवित्र जगह की ताकत ने मुझे एक कलाकार के साथ-साथ एक बेहतर इंसान भी बनाया है।'

अनुपम ने किया शुक्रिया

अनुपम ने अयोध्या के सभी लोगों को दिल से धन्यवाद देते हुए लिखा, 'उन सभी संतों का आभार जिनसे मुझे आशीर्वाद मिला। मेरे दोस्त यतीन्द्र और मंजरी मिश्रा को उनके प्यार और स्वादिष्ट खाने के लिए शुक्रिया। फिल्म के डायरेक्टर कामाख्या, मेरे प्यारे दोस्त और कैमरामैन असीम बजाज, और फिल्म की पूरी टीम का भी बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने मुझे इस शानदार सफर का हिस्सा बनाया। शुक्रिया अयोध्या, फिर मिलेंगे।'

मैं वहीं हूं, जहां मुझे होना चाहिए, अंजना सुखानी ने बॉलीवुड के सफर का बताया अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सुखानी ने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, सलमान खान, जॉन अब्राहम और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर किया है। अब वह अपनी नई फिल्म मैं वापस आऊंगा को लेकर चर्चा में हैं।

अंजना सुखानी ने कहा, मेरे लिए मैं वापस आऊंगा बेहद खास फिल्म है, क्योंकि इस फिल्म से इम्तियाज अली का नाम जुड़ा हुआ है। उनके साथ काम करना अपने आप में एक बड़ी बात है। दुनियाभर के कलाकार उनके साथ काम करने का सपना देखते हैं और मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे यह मौका मिला। फिल्म की पूरी टीम के साथ काम करने का अनुभव बहुत अच्छा रहा, खासकर नसीरुद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ के साथ। नसीर साहब के साथ काम करना किसी लाइव मास्टरक्लास जैसा अनुभव है। उन्हें देखकर ही अभिनय की बहुत सारी चीजें सीखी जा सकती हैं। फिल्म में वेदांग रैना और शरवरी के साथ काम करने के अनुभव पर अंजना ने कहा, मेरी कहानी फिल्म में अलग समय से जुड़ी हुई है, इसलिए उनके साथ ज्यादा सीन नहीं थे। हालांकि, ट्रेलर लॉन्च और शूटिंग के दौरान कुछ मुलाकातें जरूर हुईं। वेदांग और शरवरी दोनों ही बहुत प्रतिभाशाली कलाकार हैं। जब मैंने दोनों का पहला सीन देखा तो मैं काफी प्रभावित हुई। वे फिल्म में नई ऊर्जा लेकर आए हैं। आज के समय में मॉडल, अभिनेता और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के बीच की दूरी कम हो रही है। इस बदलाव पर अंजना ने कहा कि अब चीजें काफी बदल गई हैं। पहले भी मॉडल फिल्मों में आते थे और अभिनेता मॉडलिंग करते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया से जुड़े लोग भी अभिनय की दुनिया में आ रहे हैं। किसी व्यक्ति में टैलेंट है और वह सच में अभिनेता बनना चाहता है तो उसे मौका मिलना चाहिए। आखिर में सबसे जरूरी चीज यह है कि कलाकार अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित कर पाता है या नहीं।

मल्टीस्टारर फिल्मों के बढ़ते चलन पर अंजना ने कहा, सबसे जरूरी बात फिल्म की सफलता है। फिल्म छोटी हो या बड़ी और उसमें कितने कलाकार हों, इससे ज्यादा मायने रखता है कि दर्शक उसे पसंद करते हैं या नहीं। जब कोई फिल्म सफल होती है तो इसका फायदा सिर्फ कलाकारों को नहीं बल्कि पूरी टीम को मिलता है। टेक्नीशियन, लाइटिंग टीम, स्पॉट बॉय और प्रोडक्शन से जुड़े सभी लोगों को काम मिलता है। मेरी दर्शकों से अपील है कि वे फिल्मों को थिएटर में जाकर जरूर देखें।

अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को याद करते हुए अंजना ने कहा, यह मेरे लिए किसी सपने से कम नहीं था। करियर शुरू होने के कुछ सालों बाद मुझे अमिताभ बच्चन के साथ विज्ञापन करने का मौका मिला और बाद में राम गोपाल वर्मा की फिल्म डिपार्टमेंट में भी उनके साथ काम किया। अमिताभ बच्चन और इम्तियाज अली जैसे दिग्गजों के साथ काम करना बड़ी उपलब्धियों में शामिल है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा।
RNI No: UPHIN/2014/57034
Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय
सम्पर्क: 9839909595, 8765295384
Email: aryavartkrantidainik@gmail.com